RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:103 ता. 14 अक्टूबर 2022, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सेना के पास होंगी अब इलेक्ट्रिक गाड़ियां

कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए बनाया ये प्लान

नई दिल्ली। भारतीय सेना आने वाले समय में इलेक्ट्रिक वाहनों पर निर्भरता को बढ़ाने पर विचार कर रही है। इस मामले के जानकार अधिकारियों ने बुधवार को नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि कार्बन उत्सर्जन और फॉजिल फ्यूल्स पर निर्भरता को कम करने के लिए, सेना विभिन्न स्थानों पर इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे- बसों, मोटर साइकिलों, हल्के वाहनों आदि को शामिल करने की प्लानिंग पर काम कर रही है। ऊपर बताए गए अधिकारियों में से एक ने कहा, ₹सेना की रोजगार क्षमता, रोजगार के दूरस्थ स्थानों और ऑपरेशनल कमिटमेंट्स के विभिन्न फैक्टर्स को लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने के लिए एक निश्चित समयबद्ध रोड मैप पर पहुंचने पर विचार किया गया है।₹ उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों से सेना लगभग 25% हल्के वाहनों, 38% बसों और 48% मोटरसाइकिलों और पर्याप्त चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ बदल देगी। यह सेना की जरूरतों और अलग-अलग इलाकों में इलेक्ट्रिक वाहनों की रोजगार क्षमता के हिसाब से किया जा रहा है। इसके लिए सेना इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रही है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों को आगे बढ़ाने में मदद मिल सके। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कार्यालयों और आवासीय परिसरों की पार्किंग में चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए गए हैं। प्रति स्टेशन ईवी की अनुमानित संख्या के आधार पर पर्याप्त क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं। इसके अलावा, सोलर पैनल से चलने वाले चार्जिंग स्टेशन्स भी तैयार किए गए। अधिकारी ने कहा कि सेना कैपिटल रूट से इलेक्ट्रिक वाहन खरीद रही है और बसों की मौजूदा कमी को इलेक्ट्रिक बसों की खरीद से पूरा किया जाएगा। जल्द ही 24 फास्ट चार्जर्स के साथ 60 बसों को खरीदने के लिए टेंडर निकाला जाएगा। सेना तेजी से इलेक्ट्रिव वाहनों को अपने बेड़े में शामिल करेगी। अधिकारी ने बताया, "सरकार द्वारा अपनाए जा रहे ग्रीन इनिशिएटिव की गति और फॉजिल फ्यूल पर निर्भरता को कम करने के प्रयासों को ध्यान में रखते हुए, बदलते परिवेश के अनुकूल होना आवश्यक है।" अधिकारियों ने कहा कि सरकार की हाइब्रिड और ईवी (फेम) कऔर क्क(इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के निर्माण को बढ़ावा देने के

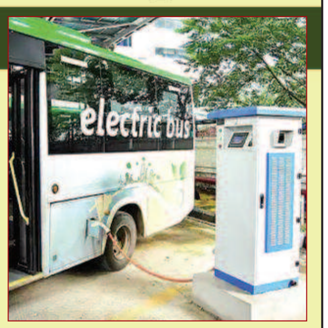

लिए) के तेजी से अपनाने और निर्माण की पॉलिसी ने देश में ईवी इकोसिस्टम को बनाए रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को बढ़ावा दिया है। उन्होंने बताया कि सेना ने पहले से ही नागरिक ट्रांसपोर्ट के हिस्से के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।

लोकसभा अध्यक्ष बोले- खिलाड़ियों के प्रयासों से तिरंगे को मिली अंतर्राष्ट्रीय पहचान

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को गुजरात के सूरत में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, सांसद और गुजरात सरकार के मंत्रीगण और विधायक मौजूद रहे। कार्यक्रम में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के विषय में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि खेल के मैदान की ऊर्जा और खिलाड़ियों की खेल भावना यानि स्पोर्ट्समैन स्पिरिट समाज और जीवन के हर क्षेत्र में उनका मार्गदर्शन करती है। राजनीति, व्यापार, अथवा शिक्षा का क्षेत्र हो, हर क्षेत्र में खेल भावना हमें प्रतिस्पर्धा को सकारात्मक रूप में लेना सिखाती है, ताकि हम सदैव दूसरों को साथ लेकर बिना किसी के प्रति मन में द्वेष रखे निरंतर आगे बढ़ते रहें। खेलों से टीम वर्क की भावना का विकास होता है।

कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने हर्ष व्यक्त किया कि इस वर्ष पहली बार राष्ट्रीय खेलों में पारंपरिक योगासन और मल्लखंभ को भी शामिल किया गया है। यह खेल हमारी विरासत हैं, जिन पर सभी भारतीयों को गर्व है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल के बारे में बोलते हुए, लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि खेल के प्रति सरकार की समर्पण के कारण खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा है। खेल जगत में देश के बढ़ते प्रोफाइल का उल्लेख करते हुए लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि आज भारतीय खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर कई मेडल जीत रहे हैं। उनके श्रेष्ठतम प्रयासों से तिरंगे को खेल के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है। खेल के अतिरिक्त योग के माध्यम से भी हमने भारत की पूरे विश्व में एक पहचान बनाई है।

ईसी पर भड़का उद्धव ठाकरे गुट

लगाए पक्षपात के आरोप, चिह्न और नाम पर भी नाराजगी

मुम्बई। महाराष्ट्र की राजनीति में नया विवाद जन्म लेता नजर आ रहा है। अब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट ने भारत निर्वाचन आयोग पर ही सवाल उठा दिए हैं। ठाकरे कैंप ने आरोप लगाए हैं कि पार्टी का नाम और चिह्न देने में पक्षपात किया गया है। हाल ही में चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्थन वाले गुट और ठाकरे कैंप को नए नाम और चिह्न आवंटित किए हैं।खबर है कि ठाकरे 'सेना' की ओर से निर्वाचन आयोग को एक 12 सूत्रीय पत्र लिखा गया है। इस लैटर में प्रतिद्विंदी

शिंदे के पक्ष में काम करने के आरोप लगाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ठाकरे समूह का कहना है कि उनकी तरफ से दिए गए सुझावों को शिंदे गुट को कॉपी करने का मौका मिला। उन्होंने इसके लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार बताया है। पत्र में लिखा है कि चुनाव आयोग ने 'संभावित रूप से' शिंदे कैंप की तरफ से सूची दाखिल किए जाने से पहले ही ठाकरे समूह के पसंद के नाम और चिह्न को वेबसाइट पर अपलोड कर दिए थे, जिसके चलते शिंदे गुट ने उन चिह्न और नाम का चुनाव किया, जिनका सुझाव ठाकरे गुट की ओर से दिया गया था। पत्र के अनुसार, बाद में यह देखा गया कि माननीय आयुक्त ने वेबसाइट से लैटर को डिलीट कर दिया, जिससे ठाकरे कैंप को हैरानी हुई। आगे कहा गया कि यह बताने की कोई जरूरत नहीं है कि टीम शिंदे का कोई भी ऐसा लैटर वेबसाइट पर अपलोड नहीं हुआ, जो उनकी चिह्न और नाम की पसंद को बताता हो। आरोप लगाए गए हैं कि शिंदे गुट की तरफ से 'असरदार तरीके से' ठाकरे गुट की तरह नाम के रूप में पहली और चिह्न के तौर पर पहली और दूसरी पसंद जमा की गई, जिससे टीम ठाकरे को उनकी पसंद का पहला नाम और पहली और दूसरी पसंद का चिह्न आवंटित नहीं हो सका। शिवसेना पर दावा पेश कर रहे दोनों गुटों को लेकर आयोग ने पार्टी के चिह्न को फ्रीज कर दिया था। इसके बाद दोनों समूहों को नए नाम और चिह्न दिए गए हैं।

हिजाब बैन: सुप्रीम कोर्ट में जजों के मतभेद से अटका मामला, अब क्या होगा आगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को जजों की अलग-अलग राय ने हिजाब मामले को विस्तार दे दिया है। फिलहाल, साफ नहीं हो पाया है कि हिजाब पर अंतिम स्थिति क्या होगी। हालांकि, कोर्ट ने यह मामला बड़ी बेंच के सामने रखने का फैसला कर लिया है, लेकिन अभी सुनवाई की तारीख का ऐलान नहीं हुआ है। अब सवाल है कि आगे क्या? इसे विस्तार से समझते हैं- कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य के शिक्षण संस्थानों से हिजाब पर प्रतिबंध हटाने से इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय के आदेश को शीर्ष न्यायालय में चुनौती दी गई थी। - भारत के मुख्य न्यायाधीश एक नई बेंच गठित कर सकते हैं, जिसमें जजों की संख्या तीन या इससे ज्यादा हो सकती है। जबकि, फैसला सीजेआई की तरफ से ही लिया जाएगा। - मामले को लेकर नई बेंच के सामने सुनवाई की दोबारा शुरूआत हो सकती है। उस दौरान जस्टिस गुप्ता और जस्टिस

धूलिया की तरफ से उठाए गए सवालों पर भी नई बेंच विचार कर सकती है। - सुप्रीम कोर्ट की तरफ से रोक नहीं लगाए जाने के चलते कर्नाटक उच्च न्यायालय का आदेश भी वैध रहेगा। - गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस धूलिया की तरफ से दिए गए फैसले पर याचिकाकर्ता निर्भर रह सकते हैं। जस्टिस धूलिया का कहना है कि हिजाब पहनना एक व्यक्ति के आजादी के अधिकार के तहत सुरक्षित है। - इधर, सुप्रीम कोर्ट की तरफ से अंतिम फैसला आने तक कर्नाटक सरकार ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध बरकरार रखा है। अब राज्य सरकार के पास भी कर्नाटक हाईकोर्ट और रउ के जस्टिस गुप्ता के फैसले का समर्थन हासिल है।

योगी कैबिनेट ने इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति को दी मंजूरी

10 लाख रोजगार के खुलेंगे अवसर, मिलेगी भारी सब्सिडी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में नई इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण और गतिशीलता नीति- 2022 को मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर प्रदेश सरकार द्वारा भारी सब्सिडी दी जाएगी। सरकार ने इसके तहत प्रदेश में 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा है जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर करीब 10 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। नीति का उद्देश्य न केवल राज्य में एक पर्यावरण के अनुकूल परिवहन प्रणाली विकसित करना है बल्कि इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरी एवं संबंधित उपकरणों के विनिर्माण के लिए उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक केंद्र भी बनाना है। नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति - 2022 में त्रिआयामी प्रोत्साहन व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। जिसके तहत उपभोक्ताओं द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदारी के लिए, इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण के लिए, चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग सेवाओं के लिए प्रावधान रखे गए हैं। नई नीति की प्रभावी अवधि के पहले तीन वर्षों के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों की सभी श्रेणियों की खरीद पर 100 प्रतिशत रोड टैक्स एवं पंजीकरण शुल्क में छूट रहेगी। यदि इलेक्ट्रिक वाहन का निर्माण राज्य में

किया गया है तो समान छूट चौथे व पांचवे वर्ष में भी जारी रहेगी। प्रदेश में खरीदे गए इलेक्ट्रिक वाहनों के फैक्ट्री मूल्य पर 15 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी। इसमें पहले दो लाख दो पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों पर पांच हजार रुपये प्रति वाहन, पहले 50,000 तीन पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों पर अधिकतम 12,000 रुपये तक, पहले 25,000 चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रति वाहन पर एक लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। वहीं, प्रदेश में खरीदी गई पहली 400 बसों पर प्रति ई-बस 20 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। साथ ही अधिकतम 1000 ई गुड्स कैरियर्स को प्रति वाहन 1,00,000 तक ई-गुड्स कैरियर्स की खरीद के लिए फैक्ट्री मूल्य पर 10 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी। - अमेठी में नई जेल का निर्माण किया जाएगा। अभी तक अमेठी के बंदियों को सुल्तानपुर जेल में बंद किया जाता था। जेल मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने यह जानकारी दी। - मथुरा के कोकिला वन में शनिधाम में परिक्रमा मार्ग बनाया जाएगा। इसके लिए वन विभाग की 2.011 हेक्टेयर भूमि ली जाएगी। उतनी ही भूमि वन विभाग को अन्यत्र दी जाएगी। - मथुरा में नेशनल हाईवे 19 पर अकबरपुर जैत गांव में सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस में पर्यटन सुविधा केन्द्र बनाया जाएगा। सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस की 2.03 हेक्टेयर भूमि निशुल्क पर्यटन विभाग को दी जाएगी। - किसानों को चना, मसूर और दलहन के बीज व किट निःशुल्क वितरित किए जाएंगे। डेढ़ लाख किसानों को चना और 1 लाख चना व एक लाख किसानों को चना बीज किट वितरण किया जाएगा - यूपी में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्राकृतिक खेती विकास बोर्ड का गठन किया जाएगा। कृषि मंत्री बोर्ड के उपाध्यक्ष होंगे। - एक अक्तूबर से धान खरीद केंद्र शुरू किए जाएंगे। सामान्य धान की एमएससी 2040 रुपये प्रति क्विंटल और ए ग्रेड धान का 2060 प्रति क्विंटल मूल्य निर्धारित किया गया है। - एक अक्तूबर से 31 अक्तूबर और 1 नवम्बर से 30 नवम्बर तक धान की खरीद दो चरणों में होगी।

सीतापुर में बारिश से गिर गई दीवार, दो मासूम बच्चियों ने तोड़ा दम

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में बारिश से थानगांव थाना क्षेत्र में कच्ची दीवार गिरने से दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई। थानगांव क्षेत्र के चौकी पुरवा मजरा भदेवां गांव के निवासी फारुख की दो बेटियां सोफिया (5) महक(3) गुरुवार की सुबह लगभग 10 बजे अपने घर से गांव में दुकान पर कुछ सामान लेने जा रही थी।बताते हैं रास्ते में रमजान की कच्ची दीवाल पर रखा छप्पर अचानक भरभराकर ढह गया। दोनों बेटियां दीवाल के मलबे में दब गईं। ग्रामीणों ने आनन फानन मलबे से बाहर निकाला जब तक दोनों को बाहर निकाला गया तब तक दोनों बच्चियों की मलबे में

दबकर मौत हो चुकी थी। सूचना पाकर थाना अध्यक्ष थानगांव फूलचंद सरोज मौके पहुंचे व क्षेत्रीय लेखपाल भी मौके पर पहुंच गए। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों बच्चियों के शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है।

बलि के बाद जागी माकपा, जादूटोना के खिलाफ सख्त कानून की पैरवी

नई दिल्ली। केरल में सत्तारूढ माकपा ने दो महिलाओं की बलि की कड़ी निंदा की है। उसने अपनी ही सरकार से मांग की है वह अंधविश्वास व जादूटोना रोकने के लिए कठोर कानून बनाएं और मौजूदा कानून का सख्ती से पालन कराए। माकपा ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि बलि की घटना ने सभी को झकझोर दिया है। ऐसी घटनाएं सिर्फ कानून से नहीं बल्कि जनांदोलनों और समाज में जागरूकता से ही रोकी जा सकती हैं। पार्टी के राज्य सचिवालय ने यह बयान जारी किया। जादूटोने के चलते दो महिलाओं की नृशंस हत्या

की वारदात केरल के पथनमथिट्टा जिले के एलंथुर में हुई है। इसने राज्य में व्याप्त अंधविश्वास का खुलासा कर दिया है। इसने इस बुराई के खिलाफ बड़ी लड़ाई की जरूरत पैदा की है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए सत्तारूढ़ वाम दल ने कहा कि पिछले साल देश में सिर्फ अंधविश्वास के चक्कर में 73 हत्याएं हुईं। पार्टी के बयान में कहा गया है कि किसी ने नहीं सोचा होगा कि केरल जैसे राज्य में ऐसी स्थिति पैदा होगी। पार्टी इस घटना की कड़ी निंदा करती है, इसने मानव विवेक को झकझोर दिया। माकपा ने कहा कि मौजूदा कानूनों को सख्ती से लागू करने के अलावा जरूरी हो तो एक नए कानून पर भी विचार किया जाना चाहिए। हालांकि, माकपा के राज्य सचिवालय ने बलि सह हत्याकांड के दूसरे आरोपी भगवल सिंह के सत्तारूढ़ दल से कथित संबंध के विरोधी दलों के आरोप पर चुप्पी साधे रखी।

नेताजी की मैनपुरी से किसे उतारेंगे अखिलेश, परिवार में हो सकता है क्लेश, रेस में हैं ये 2 नाम

लखनऊ। मुलायम सिंह यादव के निधन के साथ ही लोकसभा में सैफई परिवार का कोई भी सदस्य नहीं रह गया है। परिवार की खास सीट रही मैनपुरी में अब 6 महीने के भीतर उपचुनाव होना है और यह अखिलेश यादव की पहली सियासी परीक्षा भी होगी। मुलायम के बिना वह रणनीतिक रूप से कितने कुशल हैं, कैसे परिवार को साधते हैं और कैसे पार्टी को, यह सीट के चुनाव से पता चलेगा। नेताजी ने मैनपुरी सीट से 1996, 2004, 2009, 2014 और 2019 में यहां से जीत हासिल की थी। खुद अखिलेश यादव भी इसी भावना को ध्यान में रखते हुए मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे

और फिर आजमगढ़ की लोकसभा सीट छोड़ दी थी। ऐसे में इस सीट पर जीत हासिल कर अखिलेश यादव पिता के गर्व को बनाए रखना चाहेंगे ताकि 2024 के लिए तैयारी पुख्ता की जा सके। लेकिन इस राह में उन्हें पहली लड़ाई परिवार के भीतर ही लड़नी होगी। 2019 में ही शिवपाल यादव भी इस सीट से लड़ना चाहते थे, लेकिन मौका नहीं मिला था। अब चर्चा है कि एकता के नाम पर अखिलेश यादव से वह एक बार फिर मैनपुरी की सीट पर दावेदारी कर सकते हैं। हालांकि इसके आसार कम ही हैं कि अखिलेश यादव मैनपुरी जैसे गढ़ को चाचा के हवाले करेंगे। इसकी बजाय वह परिवार के ही किसी भरोसेमंद को उतार सकते हैं। ऐसे में धर्मेंद्र यादव और तेज प्रताप यादव का नाम रेस में बताया जा रहा है। समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं के बीच धर्मेंद्र यादव की छवि एक मेहनती नेता और सबके संपर्क में रहने वाले शख्स की है। इसके अलावा धर्मेंद्र यादव पहले मैनपुरी का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। 2004 में मुलायम सिंह यादव के सीट छोड़ने के बाद धर्मेंद्र यादव यहां से चुने गए थे। ऐसे में उनकी अपनी पैठ भी इस इलाके में है। यही नहीं अखिलेश यादव से भी उनके अच्छे संबंध हैं। यही नहीं धर्मेंद्र यादव बदायूं से भी सांसद रह चुके हैं। यदि उन्हें यहां से मौका नहीं मिलता तो वह 2024 में बदायूं को लेकर दावा ठोक सकते हैं और मैनपुरी में जिसे इस बार मौका मिलेगा, शायद वही चुनाव लड़े। बदायूं से स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा मौर्य सांसद हैं, जो अभी भाजपा से हैं। लेकिन अगले चुनाव में सपा में जाना तय माना जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि स्वामी की बेटी को मौका देने के लिए सपा धर्मेंद्र यादव को मैनपुरी में ही उतारना चाहेगी।

सार समाचार

केरल: मानव बलि मामले में कोर्ट ने तीनों आरोपियों को 12 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा

नई दिल्ली। एर्नाकुलम प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने केरल 'मानव बलि मामले' के तीनों आरोपियों को 24 अक्टूबर तक 12 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। 11 अक्टूबर को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद कल कोर्ट ने तीनों आरोपियों को तीन हफ्ते की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अब एर्नाकुलम न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने आरोपी भगवल सिंह, उसकी पत्नी लैला और मोहम्मद शफी को 24 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस रिमांड रिपोर्ट के अनुसार, भगवल सिंह और लैला की पति-पत्नी की जोड़ी ने 'मुख्य आरोपी' मोहम्मद शफी के साथ मिलकर अपराध की पूरी साजिश रची है। आरोपियों की पुलिस रिमांड रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि चौंकाने वाली 'मानव बलि' को वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए एक अनुष्ठान के हिस्से के रूप में किया गया था। पद्मा और रोसलिन के रूप में पहचानी गई दो मृतक महिलाओं के अवशेषों को मंगलवार को पठानमथिट्टा जिले में सिंह और लैला के आवास के पास गड्ढों से निकाला गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पीड़िता को पैसे का झांसा देकर लालच दिया। रिमांड रिपोर्ट में कहा गया है कि आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़ितों के शवों को दफनाने से पहले काट दिया था।

उत्तराखंड में उत्तर प्रदेश पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प में महिला की मौत

देहरादून। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर जिले के काशीपुर के पास स्थानीय निवासियों और उत्तर प्रदेश पुलिस के कर्मियों के बीच बुधवार शाम हुई झड़प में एक प्रखंड प्रमुख की पत्नी की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस झड़प में उत्तर प्रदेश पुलिस के दो कर्मियों सहित पांच लोग घायल हो गए। एक अधिकारी के मुताबिक, यह झड़प तब हुई, जब ठाकुरद्वार से उत्तर प्रदेश पुलिस का एक दल खनन माफिया की तलाश में जसपुर प्रखंड प्रमुख गुरताज भुल्लर के घर की तलाशी लेने के लिए भरतपुर गांव पहुंचा था। अधिकारी के अनुसार, पुलिस दल को गुप्त सूचना मिली थी कि खनन माफिया जाफर प्रखंड प्रमुख भुल्लर के घर में छिपकर बैठा है। पुलिस ने उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस दल आम नागरिकों की तरह भुल्लर के घर पहुंचा, जिसके बाद विवाद हो गया। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों ने गोलीबारी की, जिसमें काम से घर लौट रही भुल्लर की पत्नी गुरप्रीत की मौत हो गई। उधम सिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मंजूनाथ टीसी ने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस के दल ने उत्तराखंड पुलिस को कार्रवाई के बारे में पहले से सूचित नहीं किया था। अधीक्षक ने बताया कि मृतक के परिवार द्वारा शिकायत दर्ज करवाने के बाद उत्तराखंड पुलिस ने उत्तर प्रदेश पुलिस के 10-12 कर्मियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

कोलकाता में निर्माण कंपनी के गोदाम में लगी आग, सामान जलकर खाक

नई दिल्ली। दक्षिण कोलकाता के टॉलीगंज इलाके में एक निर्माण कंपनी के गोदाम में बृहस्पतिवार सुबह भीषण आग लग गई, जिससे वहां रखी फिल्म रील सहित सभी सामान नष्ट हो गया। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोदाम में सुबह छह बजकर 41 मिनट पर आग लगी, लेकिन इस घटना में फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। अधिकारी के मुताबिक, गोदाम में ज्वलनशील पदार्थ रखे हुए थे, जिससे आग तेजी से फैल गई। राज्य के दमकल मंत्री सुजीत बोस ने बताया कि टॉलीगंज के भीड़भाड़ वाले बाबूराम घोष रोड इलाके में स्थित गोदाम में लगी आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की कम से कम 15 गाड़ियों को रवाना किया गया। बोस ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह एक निर्माण कंपनी का गोदाम था। हालांकि, आग पर काबू पा लिया गया है. लेकिन शीतलन का काम जारी है। मैं स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर पहुंच रहा हूं।'' दमकल विभाग के अधिकारी के मुताबिक, फॉरेंसिक विशेषज्ञ आग लगने के कारणों की पड़ताल करेंगे। अधिकारी ने कहा, ''आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हमें संदेह है कि बिजली के शॉर्ट सर्किट या कुछ अन्य कारण हो सकते हैं। हमारे फॉरेंसिक विशेषज्ञ पड़ताल में जुटे हुए हैं।

तेज बारिश से हैदराबाद पानी-पानी, बाइक सवार बहा

हैदराबाद । हैदराबाद में तेज बारिश ने खासा कोहराम मचाया है इसके चलते सब कुछ पानी-पानी हो गया है। शहर में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बोराबंडा इलाके का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक शख्स को बाइक के साथ पानी की तेज धार में बहते हुए देखा जा सकता है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सड़क पर बारिश के पानी का बहाव काफी तेज वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक एकाएक सड़क पर गिर जाता है और पानी के तेज बहाव में बहने लगता है। कुछ दूर बहने के बाद स्थानीय लोग युवक को बचाने के लिए दौड़ते हैं। युवक को लोग बचाने में कामयाब हो जाते हैं। बोराबंडा इलाके के साथ-साथ पूरे हैदराबाद में भारी बारिश हुई है। देश के बाकी हिस्सों की तरह तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में भी पिछले कुछ दिनों से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने पहले ही येलो अलर्ट जारी कर दिया था। शहर में अगले 3 दिनों में गरज के साथ मध?यम बारिश की चेतावनी जारी की गई है। एक अंग्रेजी वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों असम और अरुणाचल प्रदेश सहित देश के अन्य हिस्सों में बारिश ने कहर बरपाया है। राष्ट्रीय राजधानी में लगातार बारिश हुई है, जिससे शहर का तापमान नीचे आ गया है। बुधवार को शहर में धुंध की एक मोटी परत जम गई, जिसे भारत मौसम विज्ञान विभाग ने लंबे समय तक बारिश का परिणाम बताया। वहीं, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश ने 9 लोगों की जान ले ली है। साथ ही लखनऊ, अलीगढ़, मेरठ, गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद सहित एक दर्जन जिलों में स्कूलों को बंद कर दिया गया है।

महाराष्ट्र में हर महीने 234 से ज्यादा किसान कर रहे खुदकुशी, शिंदे सरकार की क्या है योजना?

मुंबई । महाराष्ट्र में किसानों की माली हालत इतना खराब है कि यहां औसत 8 किसान खुदकुशी कर रहे हैं और यह सब राज्य सरकार और प्रशासन के दावों और वादों के बावजूद यह सिलसिला रुक नहीं रहा हैं। आंकड़े खुद इस भयावह परिस्थिति की तस्वीर पेश कर रहे हैं। महाराष्ट्र सहायता एवं पुनर्वास विभाग द्वारा इकट्ठा किए गए डाटा के अनुसार, जनवरी से अगस्त 2022 के बीच प्रदेश में 1,875 किसान सुसाइड कर चुके थे। यानी हर महीने 234 से ज्यादा किसानों ने जान दी। यदि इन आंकड़ों को देखें तो प्रदेश में हर दिन तकरीबन 8 किसानों ने इस अवधि में जान दी। किसान आत्महत्या के मामले में अमरावती क्षेत्र लिस्ट में सबसे ऊपर है, जबकि दूसरे स्थान पर औरंगाबाद रीजन है।

अमरावती क्षेत्र में जनवरी से अगस्त के बीच 725 किसानों ने आत्महत्या की। वहीं, औरंगाबाद क्षेत्र में 661 किसानों ने जान दी। इस तरह सिर्फ इन दोनों क्षेत्रों में ही 1,386 किसानों ने सुसाइड किया। आठ महीने की अवधि में आत्महत्या करने वाले तकरीबन 75 फीसद किसान इन दो रीजन से ही थे। ऐसे में अमरावती और औरंगाबाद क्षेत्र में किसानों की स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। वर्ष 2021 में भी कमोबेश यही हालात थे। अमरावती और औरंगाबाद के बाद क्रमश: नाशिक और नागपुर का स्थान आता है। इन दोनों क्षेत्रों में 252 और 225 किसानों ने जान दी। पुणे में साल 2021 में जहां 11 किसानों ने जान दी थी, वहीं, इस वर्ष जनवरी से अगस्?त तक की अवधि में 12 किसानों ने सुसाइड किया। महाराष?ट्र के कोंकण क्षेत्र में ऐसा एक भी मामला रिकॉर्ड नहीं किया गया। एकनाथ शिंदे ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की कमान संभालने के बाद महाराष्ट्र को किसान आत्महत्या मुक्त प्रदेश बनाने की शपथ ली है। इसके लिए उन्होंने महत्वाकांक्षी योजना भी बनाई है। प्रदेश के कृषि विभग ने एक मसौदा तैयार किया है, जिसके तहत राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारी एक दिन किसान के घर या उनके खेत में गुजारेंगे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकार की ओर से किसान हित में तमाम तरह के कदम उठाने के दावे किए जाते हैं, इसके बावजूद सुसाइड की घटनाएं क्यों हो रही हैं? किसान हित के लिए काम करने वाले संगठन और कार्यकर्ता इसकी कई वजहें बताते हैं। प्रमुख कारणों में सरकारी अमले का अभी तक भी सीधे किसानों के संपर्क में न आना, फसलों का उचित दाम नहीं मिलना, सिंचाई की उचित व्यवस्था का न होना, मुआवजे का समय पर उचित वितरण न होना और सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों के लिए ठोस योजना का अभाव।

गुजरात गौरव यात्रा का प्रारंभ कराते हुए अमित शाह ने कहा- कांग्रेस को दोबारा मौका ना देना

अहमदाबाद (एजेंसी)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अहमदाबाद जिले के झांझरका से भाजपा की गुजरात गौरव यात्रा का प्रारंभ कराते हुए लोगों से कहा कि कांग्रेस को दोबारा मौका ना मिले इसका ध्यान रखना। विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि इस गौरव यात्रा का श्रेय गुजरात की जनता को जाता है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 20 साल जनता ने भरोसा किया, उसे भाजपा ने उसे पूर्ण कर गुजरात को समग्र देश में नंबर वन पर पहुंचा दिया। उसका गौरव और गुजरात की जनता के प्रति धन्यवाद की यह यात्रा है। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि उसकी सरकार ने गुजरात को केवल दंगे-फसाद दिए थे। इसलिए कांग्रेस को फिर से मौका ना मिले इसका गुजरात के लोगों को ध्यान रखना होगा। गुजरात की जनता ने भाजपा पर दो दशक से भी अधिक समय तक विश्वास किया है और उसमें राज्य में कर्फ्यू का नाम नहीं सुना गया। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी गुजरात की जनता भाजपा पर भरोसा करे। अमित शाह ने गुजरात में फिर एक बार भाजपा सरकार बनने का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि कहा कि गौरव यात्रा के जरिए भाजपा ने अपने कामकाज का हिसाब देगी। बता दें कि गुजरात चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा ने गौरव यात्रा शुरू की है। बीते दिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मेहसाणा के बहुचराजी से पहली गौरव यात्रा का प्रारंभ कराया था। दूसरी यात्रा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के नेतृत्व में द्वारका से प्रारंभ हुई थी। गुरुवार को अमित शाह ने अहमदाबाद के झांझरका गौरव यात्रा को प्रारंभ कराया। यह यात्रा झंझरका से सोमनाथ तक जाएगी। यात्रा के प्रारंभ होने के अवसर पर प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील, राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत पार्टी नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस यात्रा में केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, अर्जुन राम मेघवाल, गजेन्द्रसिंह शेखावत, गिरीराजसिंह, पुरुषोत्तम रूपाला, नरेन्द्रसिंह तोमर भी शामिल होंगे। इसके बाद अमित शाह नवसारी जिले से दो गौरव यात्राओं का प्रारंभ कराएंगे। जो ऊनाई से फागवेल और ऊनाई से अंबाजी तक भ्रमण करेगी।

हिजाब मामले पर सुप्रीम कोर्ट के दोनों जज की राय अलग-अलग, बड़ी बेंच को भेजा गया मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूरी दुनिया सहित भारत में भी पिछले काफी दिनों से हिजाब को लेकर बवाल मचा हुआ हैं। क्या हिजाब पहना क्या इस्लाम में अनिवार्य हैं, क्या हिजाब बैन होना चाहिए, इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में फैसला आ गया हैं। कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस गुप्ता ने बैन के खिलाफ अर्जी खारिज कर दी हैं। कोर्ट में दोनों जजों के राय अलग अलग थी इस लिए इस मामले को बड़ी बैंच को सौंप दिया हैं। अब इस मामले पर तीन जजों की बैंच इस पर अपना फैसला सुनाएगी।

उच्चतम न्यायालय कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध हटाने से इनकार करने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को बाड़ी बैंच में भेज दिया गया हैं।। शीर्ष अदालत की वाद सूची के अनुसार न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने इस मामले पर अपनी अलग अलग राय रखी। पीठ ने 10 दिनों तक मामले में दलीलें सुनने के बाद 22 सितंबर को याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 15 मार्च को राज्य के उडुपी में गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज की मुस्लिम छात्राओं के एक वर्ग द्वारा कक्षाओं के अंदर हिजाब पहनने की अनुमति देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि हिजाब पहनना इस्लाम में आवश्यक धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है।

मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने डेंगू की रोकथाम के लिए प्रशासन के द्वारा की गयी व्यवस्थाओं एवं की जा रही कार्रवाईयों की समीक्षा की

प्रयागराज। उ.प्र.उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरूवार को सर्किट हाउस के सभागार में डेंगू की रोकथाम के लिए प्रशासन के द्वारा की गयी व्यवस्थाओं एवं की जा रही कार्रवाईयों की समीक्षा की उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से प्लेट्स की उपलब्धता को बनाये रखने के निर्देश दिए है उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को प्लेट्स मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों का समुचित उपचार किए जाने के साथ ही उनके साथ अच्छा व्यवहार भी किया जाये उन्होंने अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में बेडो की व्यवस्था कराये जाने के लिए कहा है उपमुख्यमंत्री ने डेंगू से निपटने के लिए चिकित्सकों को पूरे मनोयोग के साथ कार्य किए जाने के लिए कहा है उपमुख्यमंत्री ने प्लेट्स की पर्याप्त उपलब्धता बनाये रखने के लिए ब्लड डोनेशन कैम्प लगाये जाने के लिए कहा है उन्होंने इसके लिए छात्रों, युवाओं एवं विभिन्न संगठनों की सहायता से लोगो से ब्लड डोनेट करने की अपील करने के लिए कहा है उपमुख्यमंत्री ने डेंगू के लिए बनाये गये कंट्रोल रूम के नम्बरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाने के लिए कहा हैं उन्होंने आसानी से शिकायत दर्ज कराये जाने के लिए मोबाइल नम्बर के साथ ही वाह्टसएप नम्बर भी जारी करने के निर्देश दिए है उपमुख्यमंत्री ने टेलीमेडीसिन सुविधा के माध्यम से भी लोगो की सहायता करने के लिए कहा है उपमुख्यमंत्री ने हॉस्पिटलों, स्कूलों, घनी बस्तियों तथा अन्य भीड़ वाले स्थानों पर विशेष रूप से छिड़काव एवं फागिंग कराये जाने के लिए कहा है उन्होंने नालों का प्राथमिकता पर नियमित रूप से फागिंग कराये जाने के लिए कहा है साथ ही साथ यह भी कहा कि जहां पर भी फागिंग हो, वहां के किसी विशिष्ट व्यक्ति को अवश्य साथ रखें उन्होंने नगर आयुक्त को निर्देशित करते हुए कहा कि छिड़काव के लिए उपयोग की जाने वाली दवा की गुणवत्ता एवं उसके मानक का विशेष ध्यान रखा जाये उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से चैराहों पर लगी हुई एलईडी स्क्रीनों के माध्यम से डेंगू से बचाव एवं उसके लक्षणों के बारे में निरंतर लोगो को जागरूक करने के लिए कहा है इसके साथ ही साथ उन्होंने चैराहों पर लगे स्पीकरों, समाचार पत्रों व रेडियों के माध्यम से भी डेंगू के लक्षणों एवं उनसे बचाव के उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाने के

महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत आज प्रमुख सचिव नगर विकास की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक संपन्न हुई

समवाददाता, प्रयागराज।

महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत आज प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक संपन्न हुई जिसमें महाकुंभ हेतु की जा रही विभाग वार तैयारियों की जानकारी उन्हें मंडलायुक्त विश्वजित विश्वास पंत एवं मेला अधिकारी महाकुंभ मेला विजय किरण आनंद द्वारा दी गई

सर्वप्रथम विजय किरण आनंद ने कुंभ 2019 में किए गए कार्यों से मिली सीख के आधार पर आगामी महाकुंभ के दृष्टिगत सुझाव दिए जिसके अंतर्गत उन्होंने दीर्घकालीन कार्यों हेतु सभी विभागीय बजट को कम से कम 2 वर्ष पूर्व स्वीकृत करने, आतिथ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने, मेले की भूमि आवंटन एवं सुविधा पर्ची निर्गत कराने हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू करने की व्यवस्था करने, कुछ घाटों का चिन्हीकरण कर उन्हें पक्का बनाने तथा महाकुंभ 2025 में श्रद्धालुओं को और बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु कार्य योजना तैयार करने पर विचार करने का अनुरोध किया।

इसी क्रम में मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत ने सुझाव देते हुए रायबरेली से प्रयागराज मार्ग को 4 लेन बनाने, प्रयागराज एयरपोर्ट का विस्तार करते हुए वहां तक के पहुंच मार्ग को सीधा करते हुए 4 लेन बनाने तथा उसमें दोनों तरफ सर्विस लेन देने, प्रयागराज के रिंग रोड को महाकुंभ 2025 से पूर्व पूर्ण करने, वाराणसी-प्रयागराज मार्ग में प्रयागराज से हंडिया तक की रोड को और बेहतर बनाने, पर्यटन की दृष्टि से त्रिवेणी पुष्प, कुंभ डिजिटल म्यूजियम तथा कर्जन ब्रिज के जीर्णोद्धार का कार्य कराने, इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के विस्तार पर विचार करने, जनपद में ट्रैफिक कंजेशन को कम करने के दृष्टिगत जीरो रोड एवं सिविल लाइन बस अड्डों का स्थानांतरण करने पर विचार करने का अनुरोध किया।

आज प्रयागराज हंण्डिया के हरिपुर सिधवार मे श्री रामकथा के द्वितीय दिवस पर कथा वाचक पद्मभूषण से सम्मानित श्री रामभद्राचार्य जी महाराज के सानिध्य में हंण्डिया ब्लाक प्रमुख महेद्र सिंह मुन्ना ने पहुँच कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर पर आयोजक श्री रामआचार्य जी समेत समस्त क्षेत्रिय श्रोतागण मौजूद रहे श्री रामभद्राचार्य जी ने प्रभु श्री राम जानकी के कथा को इस भांति बताया मानो साक्षात प्रभु के दर्शन हो रहे हो श्री रामभद्राचार्य जी ने अपने अतीत को याद करते हुए कहा कि यह वही गांव है जहा पर मै अपने जीवन कई वर्ष सिधवार गाँव में देते हुए श्री राम कथा यही से प्रारम्भ कर मै जगत-गुरु की उपाधि से सम्मानित हुआ श्री तुलसी पिढाधीस्वर धाम चित्रकूट जहाँ पर प्रभु श्री राम जानकी लखन ने अपने जीवन के कइ वर्ष व्यतीत कर चित्रकूट को पावन किया उसी की मिट्टी में मै अपना जीवन कृतार्थ कर रहा हूँ और सभी को चित्रकूट धाम जीवन में एक बार जाने के लिए कहा यह कथा नौ दिवसीय कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुआ है जिसमें जगत-गुरु श्री रामभद्राचार्य जी प्रभु श्री राम के अनेकों लीलाऐं अपने मुखारविंद से सुनाएंगे

गुजरात दौरे पर राघव चड्ढा ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा 27 वर्षों में थक गई है सरकार

अहमदाबाद (एजेंसी)।

राज्यसभा सांसद और 'आप' गुजरात के सह प्रभारी राघव चड्ढा का गुजरात दौरा जारी है। उन्होंने जूनागढ के केशोद में विशाल जनसभा को भी संबोधित किया। राघव चड्ढा ने भावनगर, अमरेली, जूनागढ़ के केशोद में पदयात्रा में भाग भी लिया।

जनसभा के दौरान उन्होंने कहा कि गुजरात के युवाओं के पास इस समय सुनहरा मौका है, जिसके जरिए वो ईमानदार राजनीति के जरिए राज्य में नई सरकार को मौका दे सकते है। बीते 27 वर्षों से राज्य में एक ही पार्टी की सरकार है जिसे अब बदलने का मौका आ गया है। 27 वर्षों से थकी हुई और घमंडी सरकार को अब युवा भी देखने के इच्छुक नहीं है। युवाओं को इस बार बदलाव की जरूरत है। इसलिए जरूरी है कि परिवर्तन के लिए झाडू का बटन दबाकर आप सरकार को विजयी बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार से पहले और गुजरात के गठन के बाद से ही राज्य में 35 वर्षों तक कांग्रेस पार्टी की सरकार रही है। दोनों पार्टियों ने राज्य की जनता की भलाई के लिए काम नहीं किया है। ऐसे में राज्य के विकास के लिए आवश्यक है कि आम आदमी पार्टी की सरकार को मौका दिया जाए। उन्होंने जनता को विश्वास दिलाते हुए कहा कि राज्य में बिजली, पानी, युवाओं को रोजगार, महिलाओं, किसानों आदि के विकास को ध्यान में रखते हुए काम किया जाएगा। उन्होंने अरविंद केजरीवाल के शासन मॉडल की तारीफ करते हुए कहा कि उनका मॉडल विकास की ओर ले जाता है और ईमानदारी से परिपूर्ण है। अरविंद केजरीवाल का मॉडल ऐसा है जिसका आदि होने के बाद ईमानदार सरकार की आदत हो जाती है। उन्होंने दिल्ली का उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली में भी 15 वर्षों तक एक ही पार्टी की सरकार रही, जिसके बाद जनता ने आप पार्टी को मौका दिया। ऐसे ही इस बार गुजरात की जनता को भी झाडू को मौका देना होगा।

रोजगार की मिलेगी गारंटी

उन्होंने युवाओं को रोजगार की गारंटी दिए जाने का भी भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए युवाओं को दर बदर भटकना नहीं पड़ेगा। युवाओं को गारंटी के तौर पर रोजगार दिया जाएगा। बेरोजगार युवाओं को भी आर्थिक मदद के तौर पर 3000 रुपये का भुगतान किया जाएगा।

बता दें कि जनसभा को संबोधित करने के बाद उन्होंने पदयात्रा करते हुए स्थानीय लोगों के साथ मुलाकात की। जनता के साथ मुलाकात करते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि आप सरकार राज्य में सुवर्ण सौराष्ट्र का निर्माण करेगी। इस पदयात्रा में केशोद की जनसंख्या ने बड़ी मात्रा में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया और पार्टी के साथ समर्थन दिखाया।

'कांग्रेस में दुश्मनी की भावना नहीं', खड़गे को लेकर बोले शशि थरूर- हम अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे हैं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव हो रहा है। इस चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर आमने-सामने हैं। 17 अक्टूबर को मतदान होंगे जबकि नतीजे 19 अक्टूबर को आएंगे। दोनों उम्मीदवार लगातार अपने पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज शशि थरूर दिल्ली में थे। शशि थरूर ने साफ तौर पर कहा है कि कांग्रेस के अंदर कोई भी दुश्मनी नहीं है। उन्होंने कहा कि हम अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे हैं। अपने बयान में शशि थरूर ने कहा कि हम चुनाव लड़ रहे हैं, हमारी पार्टी में दुश्मनी की भावना नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि खड़गे साहब मेरे वरिष्ठ नेता हैं और मैंने उनके साथ मिलकर काम किया है। चुनाव दो सहयोगियों में है जो यह देख रहे हैं कि पार्टी को मजबूत करने के लिए कैसे काम किया जाए।

शशि थरूर ने यह भी कहा कि जनता बीजेपी से संतुष्ट नहीं है। नोटबंदी के बाद अर्थव्यवस्था का बुरा हाल जनता ने देखा है। बेरोजगारी बढ़ती जा रही है, इतिहास में बेरोजगारी का इतना बुरा हाल नहीं हुआ। महंगाई बढ़ रही है, रुपए का भाव गिर रहा है। जनता नया विकल्प चाहती है। उन्होंने कहा कि साधारण कार्यकर्ताओं से मिलकर मुझे लग रहा है कि पार्टी में बहुत लोग बदलाव चाहते हैं। चुनाव पार्टी की मजबूती के लिए है। मैं पार्टी में नई ऊर्जा दिखाना चाहता हूं जिससे कि हमारी जनता में पार्टी के लिए भरोसा वापस आए।

शशि थरूर ने आगे कहा कि क्या आप चाहते हैं कि पार्टी बदलाव के साथ जाए या आप हर चीज से संतुष्ट हैं? उन्होंने कहा कि अगर आपको लगता है कि सब कुछ ठीक है, तो मुझे वोट न दें क्योंकि मैं पार्टी में ऐसा बदलाव चाहता हूं जो 2014 और 2019 में हमारे साथ नहीं रहने वाले मतदाताओं को वापस लाएगा। आपको बता दें कि 2004 से 2014 तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस 2019 और 2014 के चुनाव में बुरी तरह से हार गई थी। 2019 के चुनाव में मिली हार की जिम्मेदारी लेते हुए राहुल गांधी ने पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से कांग्रेस अध्यक्ष पद खाली था। सोनिया गांधी पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका का निर्वाहन कर रही थीं। इससे पहेल थरूर ने कहा था कि मैं सोचता हूं कि पहला कदम यह होगा कि कांग्रेस कार्य समिति का चुनाव कराया जाए ताकि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र का प्रसार हो सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि मैं कांग्रेस के संविधान को पूरी तरह से लागू करूंगा। संविधान के तहत कार्य समिति का चुनाव और संसदीय बोर्ड का गठन जरूरी है। वहीं थरूर ने गुप्त मतदान कराने के पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के फैसले का स्वागत किया और कहा कि गांधी परिवार कांग्रेस के लिए बड़ी पूंजी है और कोई अध्यक्ष उनसे दूरी नहीं बना सकता। थरूर ने कहा कि कोई व्यक्ति क्या पसंद करता है या नहीं, उसके आधार पर मतदान करना उसका अधिकार है। हमारी पार्टी ने मतदान प्रणाली

के बारे में निर्णय की सार्वजनिक घोषणा कर अच्छा काम किया है।

पाकिस्तान ने भारत से क्यों मांगी 60 लाख मच्छरदानी? इस वजह से उठाया ये बड़ा कदम

पाकिस्तान में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पाकिस्तान की सरकार ने भारत से 60 लाख मच्छरदानी खरीदने को मंजूरी दे दी है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान भारत से 60 लाख से अधिक मच्छरदानी खरीदने के लिए तैयार है क्योंकि देश मलेरिया और अन्य मच्छर जनित बीमारियों से जूझ रहा है। पाकिस्तान स्थित जियो टीवी ने कहा कि इस प्रस्ताव के लिए देश के स्वास्थ्य मंत्रालय को हरी झंडी दे दी गई है। खरीद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा पाकिस्तान के लिए मच्छरदानी हासिल करने के लिए ग्लोबल फंड द्वारा उपलब्ध कराए गए धन से की जाएगी। देश के 32 बाढ़ प्रभावित जिलों में मलेरिया तेजी से फैल रहा है जहां हजारों बच्चे मच्छर जनित बीमारी से संक्रमित हैं। मलेरिया भयंकर बाढ़ के बाद एक बड़ी चिंता के रूप में उभरा है, जिसमें लाखों परिवार विस्थापित हुए और कई घर डूब गए। देश के कई हिस्से अभी भी जलभराव का सामना कर रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, तीन दशकों में रिकॉर्ड बारिश के कारण आई बाढ़ में 1,545 लोगों की जान गई है, जबकि 12,850 लोग घायल हुए हैं। इससे पहले, संयुक्त राष्ट्र ने कहा था कि फ्सुपर फ्लडफ् से कम से कम 16 मिलियन बच्चे प्रभावित हुए हैं, जिनमें से कम से कम 3.4 मिलियन को तत्काल जीवनरक्षक सहायता की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) के प्रतिनिधि अब्दुल्ला फादिल ने सितंबर में एक बयान में कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्थिति बेहद गंभीर है, जहां कुपोषित बच्चे दस्त, डेंगू बुखार और कई दर्दनाक त्वचा रोगों से जूझ रहे हैं।

अमेरिकी कंपनी मेटा को रूस ने 'आतंकवाद और चरमपंथ' संगठनों की सूची में डाला

मॉस्को। यूक्रेन में हमले के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा पश्चिमी देशों की कंपनियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई में अब अमेरिका की शीर्ष प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा पर गाज गिरी है। रूस के वित्तीय निगरानीकर्ता ने को आतंकवाद और चरमपंथ में संलिप्त संगठनों की सूची में डाल दिया है। मालूम हो कि मेटा इंस्टाग्राम और फेसबुक की मूल कंपनी है। रूस की सरकारी मीडिया के मुताबिक संघीय वित्तीय निगरानी सेवा रॉसफिन मॉनिटरिंग ने मेटा के खिलाफ कार्रवाई की मंगलवार को घोषणा की। रूसी सरकार की नवीनतम कार्रवाई को लेकर मेटा की ओर से अब तक प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि रूस की एक अदालत ने मार्च महीने में ही देश में फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। दूसरी ओर पुतिन ने बुधवार को कहा कि उनका देश बाल्टिक सागर के जरिए जर्मनी जाने वाली नॉर्ड स्ट्रीम 2 पाइपलाइन से यूरोप को गैस की आपूर्ति फिर शुरू करने के लिए तैयार है। पुतिन ने मास्को में एक ऊर्जा मंच को संबोधित करते हुए फिर आरोप लगाया कि नॉर्ड स्ट्रीम 1 पाइपलाइन के दोनों लिंक और नॉर्ड स्ट्रीम 2 पाइपलाइन के दो में से एक लिंक में विस्फोटों के पीछे अमेरिका का हाथ होने की आशंका है। पाइपलाइन में विस्फोटों के कारण बड़े पैमाने पर गैस का रिसाव हुआ और उनसे आपूर्ति ठप हो गई है। अमेरिका पहले भी पुतिन के ऐसे आरोपों को खारिज कर चुका है। कई यूरोपीय देशों ने कहा कि पाइप लाइन में विस्फोट संभवतः तोड़फोड़ के कारण हुए, हालांकि उन्होंने कोई दोषारोपण नहीं किया है। पुतिन ने दावा किया कि इन पाइप लाइन पर हमला उन लोगों ने किया है जो रूस से सस्ती गैस की आपूर्ति को रोककर यूरोप को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन में तोड़-फोड़ अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद की एक घटना है और इसका उद्देश्य सस्ती ऊर्जा की आपूर्ति बाधित कर पूरे महाद्वीप की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका चाहता है कि यूरोप महंगी तरलीकृत प्राकृतिक गैस आयात करने के लिए मजबूर हो। पुतिन ने कहा, 'जो लोग रूस और यूरोपीय संघ के संबंधों को खराब करना चाहते हैं, नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन में तोड़फोड़ के पीछे वे ही लोग हैं।' रूस अब भी यूक्रेन के जरिए यूरोप को गैस की आपूर्ति कर रहा है लेकिन बाल्टिक पाइपलाइन में विस्फोटों ने सर्दियों के मौसम से पहले यूरोप में ऊर्जा की कमी की आशंका को बढ़ा दिया है।

स्विट्जरलैंड में सार्वजनिक स्थानों पर बुर्के पर लगेगी पाबंदी, 82 हजार जुर्माने का प्रावधान

स्विट्ज़रलैंड। ईरान में हिजाब को लेकर उठे बवाल के बीच विश्व के अनेक देशों में मामला गर्माया है। ईरान में महिलाएं लामबंद हो इसके खिलाफ आंदोलन कर रही हैं वहीं, स्विट्ज़रलैंड में सार्वजनिक जगहों पर हिजाब पहनने या चेहरा ढकने पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर 1000 फ्रैंक यानी 82 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। स्विस फेडरल काउंसिल ने संसद में एक मसौदा कानून का प्रस्ताव करने की घोषणा की है। हालांकि, संसद को भेजे गए मसौदे में नाम से बुर्के का जिक्र नहीं है। साथ ही कुछ छूट की भी बात कही गई है। संसद द्वारा मसौदा कानून को हरी झंडी मिलने के बाद यह बिल स्विट्ज़रलैंड में लागू होगा। सरकार स्वास्थ्य कारणों, सुरक्षा मुद्दों, जलवायु परिस्थितियों, स्थानीय रीति-रिवाजों, कलात्मक उद्देश्यों और विज्ञापन के लिए चेहरे को ढंकने की अनुमति देगी। वहीं, राजनयिक और कांसुलर कार्यालयों, बोर्ड के विमानों, चर्चों और अन्य पूजा स्थलों के परिसरों में चेहरा ढकने पर प्रतिबंध लागू नहीं होगा। आपको बता दें कि स्विट्ज़रलैंड में कुल आबादी का 5 प्रतिशत मुस्लिम है, जिनमें से कई तुर्की और बाल्कन राज्यों से हैं। सार्वजनिक स्थानों पर फेस कवरिंग पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को 2021 में एक जनमत संग्रह में मंजूरी दी गई थी। इससे पहले 7 मार्च 2021 को स्विट्ज़रलैंड ने सार्वजनिक स्थानों पर फेस कवरिंग पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर मतदान किया था। स्विट्ज़रलैंड में चेहरे को ढंकने पर प्रतिबंध में घूंघट, बुर्का और नकाब शामिल थे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 51.21 फीसदी मतदाताओं ने फेस कवरिंग पर प्रतिबंध का समर्थन किया। स्विस कैबिनेट ने 2022 में बुर्का कानून के उल्लंघन के लिए प्रस्तावित जुर्माने की राशि को 10,000 स्विस फ़्रैंक से कम करने का निर्णय लिया। स्विस कैबिनेट द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि फेस कवरिंग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय सार्वजनिक सुरक्षा-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए लिया गया था। आपको यह भी बता दें कि यूरोप में डेनमार्क, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और बुल्गारिया ने सार्वजनिक रूप से चेहरा ढंकने पर आंशिक या पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

यूके के अस्पतालों में खून के भंडार में आई कमी

- गैर-तत्काल वाली सर्जरी रोकी गईं, एनएचएस ने आपातकाल चेतावनी जारी की

लंदन। यूके के अस्पतालों में दान किए गए खून के भंडार में भारी कमी हो गई है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि अस्पतालों में दान किए गए खून के स्टाक की भारी कमी को देखते हुए गैर-तत्काल सर्जरी को रोक दी गई है। यूके की नेशनल हेल्थ सर्विसेज (एनएचएस) ने आपातकाल चेतावनी जारी किया है ताकि रक्त जरुरतमंद को मिल सके। बताया जा रहा है कि यह चेतावनी चार हफ्तों तक लागू रहेगी ताकि रक्त-भंडार को भरा जा सके, खासकर ओ-ग्रुप वाले रक्त। वहीं अस्पतालों के लिए सूचना जारी की गई है कि वे रक्त-भंडारण की योजना तैयार करें। ब्रिटेन में ये स्वास्थ्य संकट उस वक्त आया है जब देश पहले से ही आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में अगस्त से अब तक 0.3 फीसदी तक की गिरावट देखी गई है। ये रक्त की कमी ब्रिटेन की नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री लीज ट्रस की बाधाओं को और बढ़ा रहीं हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया की रक्त भंडार की कमी का तत्काल, आपातकालीन या ट्रामा सर्जरी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, अस्पताल इन सेवाओं को जारी रखेंगे। वहीं कैंसर और ट्रांसप्लांट की सर्जरी पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

दुनिया में मंकीपॉक्स के 70 हजार से ज्यादा मामले

- डब्ल्यूएचओ ने दी चेतावनी, मामलों में गिरावट का मतलब यह नहीं कि आप इससे बचने के उपाय छोड़ दें

जिनेवा (ईएमएस)। दु?निया में मंकीपॉक्स के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर मामलों की संख्या अब 70,000 से ऊपर जा चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने घोषणा की कि नए मामलों में गिरावट का मतलब यह नहीं है कि लोगों को मंकीपॉक्स से बचने के लिए अपनाए जाने वाले उपायों को छोड़ देना चाहिए। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि अमेरिका में मामलों की संख्या बढ़ रही है। संगठन ने जोर देकर कहा कि दुनिया भर में ताजा मामलों में कमी देखी जा रही है, लेकिन यह मंकीपॉक्स की लहर के लिए सबसे खतरनाक समय हो सकता है।

कोरोना महामारी का खतरा कम होने के बाद पहली पार ताइवान पहुंचे थाइलैंड के यात्रियों का शानदार स्वागत हुआ।

उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की स्ट्रेटेजिक क्रूज मिसाइलों का सफल परीक्षण किया

सियोल। दक्षिण कोरिया और अमेरिका की संयुक्त ड्रिल के बाद उत्तर कोरिया लगातार मिसाइल टेस्ट करने में जुटा हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की स्ट्रेटेजिक क्रूज मिसाइलों का सफल परीक्षण किया है। लगातार हो रहे परमाणु हथियारों के परीक्षणों ने जहां कोरियाई द्वीप पर तनाव बढ़ा दिया है तो वहीं इस आशंका को भी बढ़ा दिया है कि प्योंगयांग 2017 के बाद से अपना पहला परमाणु परीक्षण कर सकता है। जानकारी के अनुसार किम ने व्यक्तिगत रूप से मिसाइलों के परीक्षण का बुधवार को निरीक्षण किया। स्थानीय मीडिया के अनुसार यह मिसाइल समुद्र से होते हुए करीब 2,000 किलोमीटर दूर जाकर गिरी है। प्रोजेक्टाइल ने अपने तय लक्ष्यों को निशाना बनाया था, लेकिन टारगेट पर अधिक जानकारी साझा नहीं की गई। उत्तर कोरियाई नेता ने परीक्षणों पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की, जो मिसाइलों की युद्ध क्षमता को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इन टैक्टिकल परमाणु हथियारों को जल्द कोरियाई पीपुल्स आर्मी की इकाइयों में तैनात किया जाएगा। उत्तर कोरिया ने कहा कि अभी इस सप्ताह उसके हालिया मिसाइल परीक्षणों में टैक्टिकल न्यूक्लियर ड्रिल भी शामिल है। जो दक्षिण दिशा में अटैक करने पर केंद्रित होगी। पहले भी उत्तर कोरिया के आक्रामक रवैये के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, अल्बानिया, नॉर्वे और आयरलैंड ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक बुलाई थी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के आपातकालीन सत्र में पाकिस्तान ने फिर अलापा 'कश्मीर राग', भारत ने लगाई लताड़

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत ने यूक्रेन संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के विशेष आपात सत्र के दौरान कश्मीर मुद्दा उठाने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की है। भारत ने कहा है कि इस्लामाबाद के ऐसे बयान अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ''सामूहिक निंदा'' के पात्र हैं और ''बार-बार झूठ का सहारा लेकर सहानुभूति पाने की उसकी मानसिकता'' को दर्शाते हैं। रूस के अवैध जनमत संग्रह और यूक्रेन के दोनेत्स्क, खेरसॉन, लुहान्स्क और जापोरिज्जिया क्षेत्रों पर कब्जा करने के उसके प्रयासों की निंदा करने वाले प्रस्ताव पर बुधवार को 193 सदस्यीय महासभा में मतदान हुआ था। इस प्रस्ताव का अधिकांश देशों ने समर्थन किया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने मतदान को लेकर भारत के रुख पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा, ''अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात खत्म करने से पहले कहना चाहती हूं कि हमने आश्चर्यजनक रूप से एक बार फिर एक प्रतिनिधि को इस मंच का दुरुपयोग करने और मेरे देश के खिलाफ झूठी एवं बेबुनियाद टिप्पणी करने का प्रयास करते देखा है।'' कंबोज ने कहा, ''इस तरह के बयान हमारी सामूहिक निंदा के पात्र हैं। ये बार-बार झूठ का सहारा लेकर सहानुभूति बटोरने की मानसिकता को दर्शाते हैं।''

उन्होंने कहा, ''जम्मू-कश्मीर का पूरा क्षेत्र भारत का अभिन्न व अविभाज्य हिस्सा है और हमेशा रहेगा, फिर चाहे पाकिस्तान का प्रतिनिधि जो भी माने या कहे। हम पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद को रोकने का आह्वान करते हैं, ताकि हमारे नागरिक जीवन जीने और आजादी के अपने अधिकार का आनंद ले सकें।'' यूक्रेन युद्ध पर बुलाए गए महासभा के विशेष आपातकालीन सत्र में संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम ने कश्मीर का राग अलापते हुए कहा था कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत आत्मनिर्णय का अधिकार उन लोगों पर लागू होता है, जो विदेशी या औपनिवेशिक नियंत्रण में हैं और जिन्होंने अब तक आत्मनिर्णय के अधिकार का प्रयोग नहीं किया है, जैसा कि ''जम्मू-कश्मीर के मामले में है।'' उन्होंने कहा था कि आत्मनिर्णय के अधिकार का अभ्यास सैन्य कब्जे से मुक्त वातावरण में और निष्पक्ष तत्वावधान में संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में किया जाना चाहिए।

भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि जम्मू-कश्मीर ''हमेशा भारत का अभिन्न अंग था, है और बना रहेगा।'' भारत ने स्पष्ट किया है कि वह आतंक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी जैसे संबंध चाहता है।

रूस किसी भी हालत में कम कीमत पर तेल नहीं बेचेगा: पुतिन

मॉस्को (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने बयान जारी करते हुए स्पष्ट तौर पर कहा कि रूस किसी भी हालत में कम कीमत पर तेल नहीं बेचेगा। पुतिन ने कहा कि जी7 कोई नियम बना लें लेकिन रूस अपने तेल को कम दाम पर नहीं बेचेगा। बता दें कि रूस के बजट का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा तेल से आता है। रूसी ऊर्जा सप्ताह 2022 कार्यक्रम में बोलते हुए पुतिन ने कहा कि मुझे यह कहना है कि रूस हमारे अपने हितों के खिलाफ काम नहीं करेगा। हम तेल या गैस को कीमत पर ऑफर करके अपनी स्थिति को कमजोर करने का काम नहीं करेंगे। हम उनके आगे नहीं झुकेंगे। हम दूसरों द्वारा तय किए गए नियमों पर नहीं चलेंगे। हम अपने नुकसान के लिए काम नहीं करेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक रूस-यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध आंठवें महीने में प्रवेश कर गया है. जिसका कोई हल नहीं निकल रहा है। इसके चलते पश्चिमी देशों को शक है कि रूस तेल की निरंतर बिक्री के कारण अपना मुनाफा बढ़ा रहा है और इसके साथ युद्ध को भी तेज कर रहा है। रिपोर्ट में रूस के केंद्रीय बैंक के हवाले से बताया गया है कि कच्चे तेल का निर्यात साल 2021 में 113 बिलियन यूरो था। बता दें कि अगर जी-7 तेल की कीमत पर कैप यानी कि रोक लगाता है कि रूस दुनिया के अन्य देशों में उससे ज्यादा कीमत पर बेच नहीं पाएगा। हालांकि अभी तक जी-7 ने रूसी तेलों की कीमत तय नहीं की है। पुतिन ने कहा कि उनका देश बाल्टिक सागर के माध्यम से जर्मनी जाने वाली नॉर्ड स्ट्रीम 2 पाइपलाइन से यूरोप को गैस की आपूर्ति फिर शुरू करने के लिए तैयार है।क

अमेरिका ने जारी की नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति

- चीन और रूस को बताया खतरा!

वाशिंगटन (एजेंसी)।

व्हाइट हाउस ने एक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति प्रस्तुत की जिसका उद्देश्य बढ़ते हुए चीन और आक्रामक होते रूस को रोकना है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका को आने वाले महत्वपूर्ण दशक में स्पर्धा में मदद के लिए घरेलू निवेश जरूरी है। बाइडन प्रशासन की पहली राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में ऐसी विदेश नीति पर जोर दिया गया है जो वैश्विक सहयोगियों के हितों तथा मध्य-वर्गीय अमेरिकियों के हितों के बीच संतुलन बनाती हो। रणनीति दस्तावेज के अनुसार हम समझते हैं कि यदि अमेरिका को विदेश में सफलता हासिल करनी है तो हमें अपने नवोन्मेष तथा औद्योगिक क्षमता में निवेश करना चाहिए और घरेलू स्तर पर अपने जुझारूपन को बढ़ाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की सुरक्षा नीति में भारत का भी जिक्र किया गया है। बाइडन प्रशासन ने बताया है कि अमेरिका और भारत 'फ्री एंड ओपन' हिंद-प्रशांत के अपने साझा दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों व्यवस्थाओं में मिलकर काम करेंगे। अमेरिका ने कहा कि वह परमाणु युद्ध के खतरे को कम करना चाहता है लेकिन अपने हथियारों का आधुनिकीकरण करना जारी रखेगा। अमेरिका की नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और एक प्रमुख रक्षा भागीदार बताया गया है। गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक साक्षात्कार में कहा था कि अगर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करते हैं तो अमेरिका भी जवाब देने के लिए तैयार है। बाइडन ने सीधे शब्दों में कहा था ?कि पेंटागन को पूछने की जरूरत नहीं थी। सीएनएन के साथ एक साक्षात्कार के दौरान बाइडन ने कहा था कि अमेरिका ने परमाणु हथियार के उपयोग सहित यूक्रेन युद्ध में सभी संभावित परिदृश्यों को समाप्त कर दिया है।

पाकिस्तान के पीएम और उनके बेटे हमजा को धनशोधन मामले में कोर्ट ने किया बरी

z नवंबर 2020 में शहबाज और उनके बेटों पर 16 अरब की गड़बड़ी करने के आरोप में मामला किया था दर्ज

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे हमजा शरीफ को एक विशेष अदालत ने कई लाख डॉलर के धन शोधन मामले से बरी कर दिया है। संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने नवंबर 2020 में शहबाज और उनके बेटों के खिलाफ 16 अरब रुपए से ज्यादा की गड़बड़ी करने के आरोप में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और धनशोधन रोधी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। अदालत के एक अधिकारी ने कहा कि विशेष न्यायाधीश मध्य (लाहौर) एजाज हसन अवान ने 16 अरब रुपए के धन शोधन मामले में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे तथा पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री हमजा शहबाज को बरी कर दिया। उन्होंने कहा कि अदालत को उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला। एफआईए की विशेष अदालत को पिछले महीने इस मामले में शहबाज और हमजा पर आरोप तय करने थे। उन्होंने खुद को आरोप मुक्त करने के लिए एक याचिका दायर की और उनके वकील ने बहस शुरू कर दी। उनके वकील अमजद परवेज ने सोमवार को अदालत में अंतिम दलील पेश करते हुए कहा था कि एफआईए के पास उनके मुवक्किलों के खिलाफ कोई सबूत नहीं है।

बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि अभियोजन पक्ष के किसी गवाह ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ गवाही नहीं दी। उन्होंने दलील दी कि अभियोजन पक्ष याचिकाकर्ताओं और बेनामी बैंक खातों के बीच कोई संबंध स्थापित करने में नाकाम रहा। अदालत पहले ही इस मामले में शहबाज के छोटे बेटे सुलेमान को भगोड़ा घोषित कर चुकी है। सुलेमान 2019 से फरार है और ब्रिटेन में रह रहे हैं। शहबाज अक्सर कहते हैं कि सुलेमान परिवार के व्यवसाय को देखते हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (पीएमएल-एन) ने ट्वीट कर कहा कि राजनीतिक उत्पीड़न के लिए गढ़ा गया एक और मनगढ़ंत मामले का अंत हो गया। झूठ का नाश होना है, जैसा अल्लाह ने वादा किया है। इस बीच, संघीय गठबंधन सरकार के एक वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया है कि सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने शरीफ परिवार को भ्रष्टाचार के मामलों में दोषसिद्धि से बचाया है। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता बेरिस्टर ऐतज़ाज़ अहसान ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा ?कि बाजवा ने शरीफ परिवार को दोषसिद्ध से बचाया है और बड़ा जुर्म किया है।

नाटो की चाह में ज़ेलेंस्की ने चढ़ा दी यूक्रेन की बलि, बदले में क्या मिला? 8 महीनों से केवल रूस की 'निंदा' कर रहा उत्तर अटलांटिक संधि संगठन

ब्रसेल्स (एजेंसी)।

पिछले 8 महीनों से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रह है। सैन्य संगठन नाटो में शामिल होने की यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की चाह ने इस युद्ध की नीव रखी थीं। ज़ेलेंस्की की बेकरारी ने युद्ध का जन्म तो दे दिया लेकिन उन्हें युद्ध में नाटो का साथ नहीं मिला। रूस का मानना था कि नाटो किसी भी नये देश को अपना हिस्सा नहीं बनाएगा। रूस से सटे यूक्रेन की नाटो से बढ़ती नजदीकियां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को खटक रही थी। रूस लगातार यूक्रेन को चेदावनी दे रहा था कि यूक्रेन ऐसा न करें। यूक्रेन के नाटो में शामिल होते ही रूस की सीमा तक आमेरिका और यूरोप के देशों पहुंच बन जाती। ऐसे में रूस को अपनी सुरक्षा को भी सुनिश्चित करना था। पुतिन ने ज़ेलेंस्की को तमाम चेतावनी दी और जब कोई बात नहीं बनीं तब रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया और यूक्रेन के जो क्षेत्र रूस से लगे हुए थे उस पर कब्जा कर लिया। किसी को नहीं पता था कि यूक्रेन और रूस के बीच का युद्ध इतना लंबा खिच जाएगा। इस समय यूक्रेन और रूस के युद्ध ने पूरी दुनिया पर पुरा प्रभाव डाला हुआ हैं। यूरोप के कई बड़े देश जैसे फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी में मंहगाई ने लोगों के होश उड़ा रखे हैं। यूरोप के देशों को रूस से 40 प्रतिशत से भी ज्यादा गैस और तेल की सप्लाई की जाती थी ऐसे में रूस पर लगे प्रतिबंधों से कंपनियों को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ हैं। हर दिन युद्ध का असर दुनिया पर बुरा प्रभाव डाल रहा हैं। ज़ेलेंस्की ने अपनी नाटो में शामिल होने की बेकरारी के चलते पूरे देश की बली दे दी लेकिन ऐसा करने के बावजूद ज़ेलेंस्की को नाटो का साथ नहीं मिला। आठ महीनों से नाटो यूक्रेन पर रूस के हमले की केवल निंदा कर रहा हैं बाकी और कुछ नहीं! मंहगाई की मार झेल रहे अमेरिका सहित यूरोप के देशों ने भी अब यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई करने से हाथ खड़े कर लिए हैं। ऐसे में यूक्रेन के प्रति अपनी संवेदना दिखाते हुए रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र महासभा में निंदा प्रस्ताव लाया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने यूक्रेन के चार क्षेत्रों में रूस के ''अवैध कब्जे के प्रयास'' की निंदा करने और इन कदमों को तत्काल वापस लिए जाने की मांग के पक्ष में अभूतपूर्व मतदान किया। इस मतदान के जरिये दुनियाभर के देशों ने सात महीने से जारी युद्ध और रूस की अपने पड़ोसी देश के क्षेत्र पर कब्जा करने की कोशिश पर कड़ा विरोध जताया है। संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यों में से 143 ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। वहीं, पांच देशों ने इसके विरोध में मत दिया, जबकि भारत समेत 35 देश मतदान में अनुपस्थित रहे। यह प्रस्ताव रूसी बलों द्वारा 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला किए जाने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से यूक्रेन को दिया गया अब तक का सबसे बड़ा समर्थन और रूस के प्रति सबसे कड़ा विरोध है। यूक्रेन के दोनेत्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया क्षेत्रों पर पिछले महीने कब्जा करने की रूस की घोषणा के जवाब में पश्चिमी देशों द्वारा प्रयोजित यह प्रस्ताव पेश किया गया था। रूसी संसद के दोनों सदनों ने दोनेत्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया क्षेत्रों को रूस का हिस्सा बनाने से जुड़ी संधियों को मंजूरी दी थी। चारों प्रांतों में कथित जनमत संग्रह के बाद इस संधि पर मुहर लगा दी गई थी। इस जनमत संग्रह को यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगियों ने अवैध बताकर खारिज किया है। यूक्रेन पर आपातकालीन विशेष सत्र में वक्ताओं ने दो दिन तक अपना-अपना पक्ष रखा। इस दौरान रूस पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अहम सिद्धांतों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया, जिसमें सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने का सिद्धांत भी शामिल है। कुल 143 देशों ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जबकि रूस, बेलारूस, उत्तर कोरिया, सीरिया और निकारागुआ ने इसके खिलाफ मतदान किया।

संपादकीय

नीले जहर का कहर

आशंका है कि लोकलाज के भय से तमाम लोग लाखों रुपये अपराधियों को दे चुके हैं। दरअसल, हर आदमी की कोशिश होती है कि परिवार में उसकी इज्जत का फलूदा न निकले। वह बच्चों व परिजनों की नजरों में न गिरे। अपराध की प्रवृत्ति कुछ ऐसी है कि हर आम व सफेदपोश इस मामले के उजागर होने से भयभीत होता है।

सूचना विस्फोट के युग में जहां मोबाइल व इंटरनेट सुविधाओं के वाहक बने हैं, वहीं समाज में अपराधों के विस्तार की कड़ी भी बने हैं। आये दिन समाचार पत्र ऑनलाइन धोखाधड़ी व ठगी के समाचारों से पटे रहते हैं। सेकेंडों में लोगों की जीवन-भर की पूंजी चली जाती है। फिर अमेरिका व कनाडा से नजदीक के रिश्तेदारों के पुलिस की गिरफ्त में होने की झूठी खबर देकर पैसा वसूली की खबरें साइबर क्राइम विभाग में लगातार दर्ज हो रही हैं। इसी कड़ी में साइबर अपराध का नया चेहरा सामने आया, जिसे 'सेक्सटॉर्शन' नाम दिया जा रहा है। यानी छल से अश्लील वीडियो बनाकर उसे परिजनों व मित्रों में वायरल करने की धमकी देकर पैसे की वसूली। इस तरह के अपराध के तहत पंजाब में प्रतिमाह दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज कराये जा रहे हैं। आशंका है कि लोकलाज के भय से तमाम लोग लाखों रुपये अपराधियों को दे चुके हैं। दरअसल, हर आदमी की कोशिश होती है कि परिवार में उसकी इज्जत का फलूदा न निकले। वह बच्चों व परिजनों की नजरों में न गिरे। अपराध की प्रवृत्ति कुछ ऐसी है कि हर आम व सफेदपोश इस मामले के उजागर होने से भयभीत होता है। एक ओर जहां उसका परिवार बिखरने के कगार पर जा पहुंचता है, वहीं सामाजिक प्रतिष्ठा भी धूल-धूसरित होने की आशंका बलवती होने लगती है। इन्हीं आशंकाओं के बीच वह भयादोहन के चलते मोटी रकम देने को बाध्य होता है। हरियाणा के एक व्यवसायी से जब कई चरणों में लाखों की वसूली होने के बाद वसूली का सिलसिला नहीं थमा तो अंततः वह पुलिस की शरण में गया और फिर अपराधियों को पुलिस ने बेनकाब किया। दरअसल, सेक्सटॉर्शन का शिकार होने वालों में युवा ही नहीं, पुरानी पीढ़ी के राजनेता, सेवानिवृत्त अधिकारी, कारोबारी व डॉक्टर आदि भी शामिल हैं। अपराध का दायर इतना विस्तृत है कि देश के कई राज्यों से ऐसे अश्लील वीडियो बनाने वाले गिरोहों का संचालन हो रहा है। दरअसल, यह बहस का विषय हो सकता है कि सोशल मीडिया क्या वाकई सोशल रह गया है? फेसबुक व व्हाट्सएप के जरिये दोस्ती गांठ कर शातिर महिलाएं संपन्न व प्रभावशाली व्यक्ति के साथ नजदीकी हासिल कर लेती हैं। फिर एक दिन एक अनजान नंबर से वीडियो कॉल आती है और अश्लील हरकत करती शातिरा व्यक्ति को उसमें शामिल करके वीडियो रिकॉर्ड कर लेती है। जिसको एडिट करके फिर रंगदारी का खेल खेला जाने लगता है। निश्चय ही इंटरनेट का इंद्रजाल जहां हमारे जीवन को सुविधाजनक बना रहा है, वहीं हमारे समाज व व्यक्तियों के जीवन में जहर भी घोल रहा है। दरअसल, खुलेपन की जो आंधी दुनिया में सोशल मीडिया में नजर आती है, वह कितनी घातक साबित हो सकती है, उसकी बानगी सेक्सटॉर्शन के चक्रव्यूह में नजर आती है। बहुत संभव है कई लोग सामाजिक प्रतिष्ठा गंवाने के भय से आत्मघाती कदम भी उठा लेते हों, जिसकी सच्चाई शायद ही कभी लोगों के सामने आये। दरअसल, इस गंदे खेल का जाल इतना खतरनाक है कि कोई आम व्यक्ति भी इसकी चपेट में आ सकता है। हो सकता कई परिवारों के बच्चे इसकी चपेट में आकर गलत कदम उठा चुके हों। लेकिन परिवार के भय व सामाजिक प्रतिष्ठा के क्षरण के भय से किसी से कुछ न कह पाते हों। दरअसल, इस मुद्दे पर व्यापक विमर्श व काउंसलिंग की जरूरत है। बच्चों को समझाने की जरूरत है कि यदि वे किसी साजिश का शिकार होते हैं तो परिवार को विश्वास में लेकर समाधान निकालें। वहीं विडंबना यह भी कि हमारे समाज में यौन इच्छाओं का विस्फोट विद्यमान हो रहा है। तमाम सोशल साइट्स पर इतनी अश्लील सामग्री मौजूद है कि बच्चे समय से पहले बड़े होने लगे हैं। मां-बाप उन्हें ज्यादा मोबाइल का प्रयोग करने से रोकते हैं तो वे ऑनलाइन पढ़ाई की दुहाई देकर निरुत्तर कर देते हैं। निस्संदेह, तमाम विदेशी हमलों ने भारतीय संस्कृति को उतनी क्षति नहीं पहुंचाई होगी, जितनी इंटरनेट पर मौजूद अश्लीलता ने पहुंचाई है। यही वजह है कि कई अमानुषिक यौन अपराधों से पूर्व अपराधियों ने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने की बात स्वीकारी है।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

ट्रेन के डिब्बे में खिड़की के नीचे उंगली आने के बाद यात्री, 'हाय मर गया। पता नहीं रेल विभाग इस खिड़की में गुटका क्यों नहीं ठीक कराता।' कहता हुआ चिल्ला रहा था।

'जरा-सी उंगली दब जाने से जमीन-आसमान एक किए हुए हो और लड़कियों की तरह रोए जा रहे हो। मैं डेली पैसेंजर हूँ। कल जब एक आदमी की खिड़की खोलते समय गर्दन आ गई थी तब भी उसने चूं तक भी नहीं की थी।'

□ □ □

एक सज्जन ने घर लौट कर अपनी पत्नी से कहा, 'आज मेरे बॉंस ने मुझे ऐसे शब्द कहे कि अगर उसने अपने शब्द वापस नहीं लिए तो कल से नौकरी पर नहीं जाऊंगा।'

पत्नी बोली, 'क्या कहा बॉंस ने।'

वह बोले, 'बॉंस ने कहा था कि मैं तुम्हें नौकरी से निकाल रहा हूं।'

□ □ □

एक कम्पनी के मालिक ने अपने एक कर्मचारी से कहा, 'तुमने हमारी कम्पनी में बहुत लगन और मेहनत से काम किया हैं। ईनाम के तौर पर मैं तुम्हें अभी एक दस हजार का चैक दे रहा हूं।

अगर तुम इसी तरह लगन से काम करते रहे तो अगले वर्ष इस पर दस्तखत भी कर दूगा।'

विज्ञान पुरस्कारों में कटौती से निराश प्रतिभाएं

लेखक- दिनेश सी. शर्मा

हालांकि इस साल के विजेताओं को लेकर रहस्य बरकरार है। वैज्ञानिक कामों को सार्वजनिक रूप से पुरस्कृत कर अभिनंदन करना वैज्ञानिकों और तकनीकी माहिरों के लिए उत्प्रेरक होता है। वैज्ञानिक अनुसंधान करते वक्त बहुत दृढ़ निश्चय और संयम की जरूरत पड़ती है। वैसे भी भारतीय यूनिवर्सिटियों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं में खोजकर्ताओं का काम यथेष्ट अनुदान की कमी एवं अन्य कारकों की वजह से खुलकर नहीं हो पाता।

भारतीय विज्ञान बिरादरी साल के इन दिनों का शौक से इंतज़ार करती है क्योंकि न सिर्फ यह त्योहारों का मौसम होता है बल्कि विज्ञान पुरस्कारों का भी। हर साल 26 सितंबर को भारतीय विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में बढ़िया कर दिखाने वाले और 45 वर्ष से कम उम्र के वैज्ञानिकों के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार की घोषणा करती है। यह पारितोषण संस्थापना दिवस समारोह में एक मुख्य बिंदु रहता है। लेकिन सीएसआईआर ने इस साल निर्धारित तारीख पर पुरस्कारों की घोषणा नहीं की, इसकी बजाय केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भटनागर पुरस्कार समेत अन्य कई विज्ञान पुरस्कार एवं अलंकरणों में बदलावों को लेकर हुई बैठक की कार्यवाही का ब्योरा लीक किया। गृह मंत्रालय के शीर्ष नौकरशाहों की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आठ विज्ञान विभागों और मंत्रालयों द्वारा हर साल दिये जाने वाले लगभग तीन सौ पुरस्कार और फेलोशिप खत्म करने का निर्णय लिया गया। गनीमत यह कि बचे-खुचे पुरस्कारों में भटनागर पुरस्कार भी एक है, यह जारी रहेगा अलबत्ता बदले स्वरूप में। हालांकि इस साल के विजेताओं को लेकर रहस्य बरकरार है। वैज्ञानिक कामों को सार्वजनिक रूप से पुरस्कृत कर अभिनंदन करना वैज्ञानिकों और तकनीकी माहिरों के लिए उत्प्रेरक होता है। वैज्ञानिक अनुसंधान करते वक्त बहुत दृढ़ निश्चय और संयम की जरूरत पड़ती है। वैसे भी भारतीय यूनिवर्सिटियों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं में खोजकर्ताओं का काम यथेष्ट अनुदान की कमी एवं अन्य कारकों की वजह से खुलकर नहीं हो पाता। तिस पर गृह मंत्रालय की बैठक में जो तय हुआ है, और यदि विज्ञान विभाग अधिकांश पुरस्कार और फेलोशिप्स देना बंद करने जा रहा है, तो यह वैज्ञानिक बिरादरी को आगे हतोत्साहित करेगा। गृह सचिव ने विज्ञान विभागों को केवल इतना भर प्रेषित किया है : 'पुरस्कार व्यवस्था में रूपांतरण करने के प्रधानमंत्री के निर्देशों के अनुरूप पुरस्कार और प्राप्तकर्ताओं की संख्या काफी सीमित करनी पड़ेगी'। मौजूदा कई वैज्ञानिक पुरस्कार तार्किक भी हैं और रिवायत भी। 1958 में शुरू हुआ भटनागर पुरस्कार, युवा और प्रौढ़ वैज्ञानिकों की नई खोजों को सम्मान देकर उत्साह बढ़ाने के वास्ते शुरू किया गया था, यह अनुसंधान का ध्येय निरंतर रखने में बढ़ावा देता है। सीएसआईआर की 1992 में जारी की सूची में 1958 से 1991 के बीच पुरस्कृत जिन वैज्ञानिकों के नाम हैं, वे भारतीय विज्ञान जगत की सिरमौर हस्तियां हैं। इनमें केएस कृष्णन, विक्रम साराभाई, राजा रामन्ना, वी. रामालिंगास्वामी, एमजीके मेनन, एमके वेणु बाप्पू, जीवी नार्लेकर, ओबेद सिद्दीकी, यूआर राव, वीएस अरुणाचलम, सीएनआर राव, आरए माशेलकर, माधव गाडगिल और समीर ब्रह्मचारी आदि विभूतियां हैं। अपने कार्यकाल के आरंभिक वर्षों में, उन्होंने विज्ञान के अपने-अपने क्षेत्र में योगदान दिया और आगे चलकर उच्चतम स्तर पर पहुंचे। सरकार की ओर से निजी क्षेत्र के अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए भी पुरस्कार दिये जाते रहे हैं। 1990 के दशक में तकनीकी विकास बोर्ड द्वारा स्थापित राष्ट्रीय तकनीकी पुरस्कार के पहले दो विजेताओं में शांता बायोटेक और भारत बायोटेक थे- आज ये दोनों भारत की वैक्सीन शक्ति के प्रतीक हैं। जहां भटनागर पुरस्कार जारी रहेगा वहीं बायोमेडिकल अनुसंधान में श्रेष्ठता के लिए दिया जाने वाला बीआर अम्बेडकर पुरस्कार जोकि मेडिकल रिचर्स में सबसे अधिक धनराशि (5 लाख रुपये) वाला इनाम है, खत्म कर दिया गया है। यह फैसला कोविड महामारी के दौरान साइंसदानों के अतुलनीय योगदान के परिप्रेक्ष्य में विडंबना भरा है। बहुत से जो अन्य पुरस्कार खत्म किए गए हैं, उन सबकी स्थापना के पीछे खास प्रयोजन था। मसलन, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा डॉ. अन्ना मणि पुरस्कार का मकसद पृथ्वी विज्ञान में अनुसंधान के लिए महिला वैज्ञानिकों को बढ़ावा देना था। इनकी स्थापना से आमतौर पर लोगों में अनजान रहीं, किंतु मौसम विज्ञान-उपकरण खोज में अतुलनीय काम करने वाली अन्ना मणि का नाम स्थाई रखने में मददगार रहा। दर्जनों की गिनती में जिन निजी प्रतिभा व्याख्यान और फेलोशिप्स को बिना कारण बताए खत्म किया गया है, उनका भी प्रयोजन था : 'उन लोगों की याद और कामों को जिंदा रखना जिन्होंने योगदान तो बहुत किया किंतु लोग ज्यादा नहीं जानते।' छूत रोगों में उत्कृष्ट खोजियों के लिए मेजर जनरल साहिब सिंह सोखी पुरस्कार शायद एकमात्र इनाम है जो कि 20वीं सदी के अनजान चिकित्सा-नायक के नाम पर है। आईसीएमआर द्वारा दिया जाने वाला एक अन्य पुरस्कार टेस्ट ट्यूब बेबी के अग्रणी विशेषज्ञ डॉ. सुभाष मुखर्जी के नाम पर है। हाल ही में एक समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने रंज प्रकट किया था कि भारत अपने वैज्ञानिकों के योगदान का उचित गुणगान नहीं करता। किंतु अब विज्ञान क्षेत्र की विभूतियों की याद को बनाए रखने वाले पुरस्कार खत्म कर देना अवश्य ही विज्ञान का महिमामंडन करना नहीं कहलाएगा। कुछ छोटे किंतु उत्साहवर्धक पुरस्कार भी खत्म किए गए हैं जैसे कि आईसीएमआर द्वारा मेडिकल और डेंटल छात्रों की खोज को प्रोत्साहन देने वाले। जिस बेहुदे ढंग से गृह मंत्रालय ने विज्ञान विभाग का मूल्यांकन करने का फरमान दिया है वह चौंकाता है। यह भारत की सर्वोच्च वैज्ञानिक संस्थाओं की सार्वभौमिकता और निर्णय लेने वाले तंत्र पर हमला है। यही वजह है कि विज्ञान विभाग का मुखिया एक आईएएस न होकर विषय को समझने वाला वैज्ञानिक होता है, अब यह रीत भंग करने की छूट नौकरशाहों को न दी जाये। साथ ही सीएसआईआर और आईसीएमआर जैसे वैज्ञानिक संस्थानों की अपने अंदरूनी कामकाज में सार्वभौमिकता अक्षुण्ण बनी रहे। फिर विभिन्न विज्ञान विभागों और एजेंसियों में समन्वय के लिए मुख्य विज्ञान सलाहकार के रूप में अलग से व्यवस्था तो है ही। लेकिन जो रवैया गृह मंत्रालय ने इस विषय पर बरता है और बैठक के अंत में जिस तरह गृह सचिव ने तमाम विज्ञान विभागों को 'दस दिन के भीतर कार्रवाई की' रिपोर्ट जमा करवाने को कहा उससे लगता है मानो खुद मुख्य विज्ञान सलाहकार इनके मातहत हैं। यह निर्णय न सिर्फ विज्ञान विभाग की सार्वभौमिकता का ह्रास करने वाला है बल्कि तमाम विज्ञान विभागों से संबंधित निर्णयों का केंद्रीकरण करने का संकेत भी है। सचिव ने सलाह दी है कि वैज्ञानिकों के लिए नोबेल पुरस्कार की तर्ज पर इनाम बनाया जाए और यह विज्ञान से संबंधित तमाम विषयों के लिए खुला हो। उन्होंने इसका नाम तक सुझा डाला - विज्ञान रत्न। हालांकि ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश सरकार पहले ही इस नाम से पुरस्कार देती है। पुरस्कार मिलना न केवल एक वैज्ञानिक को चमकने के लिए प्रेरक का काम करता है बल्कि अनेक तरीकों से विज्ञान की प्रगति में मददगार होता है। पुरस्कार विजेता भावी छात्रों और वैज्ञानिकों के लिए आदर्श होते हैं। मसलन, नोबेल पुरस्कार विजेता विज्ञान के राजदूत बन जाते हैं। इनाम और प्रोत्साहन नूतन विषयों में अनुसंधान करने को उत्साहित करता है और खोज कार्य में नज़रअंदाज हुए पड़े विषय भी ध्यानाकर्षक बन सकते हैं। विज्ञान पुरस्कारों का प्रभाव वैज्ञानिक बिरादरी से बाहर सामाजिक स्तर पर भी होता है। इन्हें राजनीति से इतर रखा जाना चाहिए।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के माहिर हैं।

श्रम के संगीत के साथ शब्दों की जुगलबंदी

शेखर जोशी : स्मृति शेष/ यादवेन्द्र

यह एक इत्तेफ़ाक है कि जिन दिनों प्रिय कथाकार शेखर जोशी के संस्मरणों की किताब 'मेरा ओलिया गांव' पढ़ रहा था उन्हीं दिनों वे नब्बे साल के हुए, विद्यासागर नौटियाल सम्मान से सम्मानित हुए और अगले कुछ दिनों बाद ही अनंत यात्रा पर चल पड़े। शेखर जी की कहानियों से तो बहुत पुराना नाता है- कोसी का घटवार, दाज्यू और बदबू जैसी कहानियां जब भी सामने आती हैं उन्हें पढ़े बिना आगे बढ़ना संभव नहीं। विश्व साहित्य से थोड़ा परिचय होने के नाते मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि 'कोसी का घटवार' दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रेम कहानियों की फेहरिस्त में ऊंचे पायदान की सहज अधिकारी है। कौसानी के पास एक गांव में जन्मे शेखर जोशी अजमेर और दिल्ली होते हुए इलाहाबाद पहुंचे और कारखानों में तकनीकी नौकरी करते हुए वहां जन्म ले रही दूसरी पीढ़ी के महत्वपूर्ण कथाकारों के सशक्त स्तम्भ के रूप में स्थापित हुए। उनकी विशिष्ट पहचान मेहनतकशों के जीवन और संघर्षों को हिंदी कथा जगत में सम्पूर्ण निष्ठा, पक्षधरता और निरंतरता के साथ शब्दांकित करने वाले कालजयी लेखक के रूप में न सिर्फ़ बनी रहेगी बल्कि आगामी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत भी साबित होगी। कुमाऊं का एक पारंपरिक पंडित युवा नौकरी में आया तो मेहनतकशों की दुनिया में शामिल होकर उसकी सोच-समझ और जीवन में क्रांतिकारी बदलाव हुए। इनके बारे में वे बड़ी बेबाकी से लिखते हैं : 'जो हमारे गुरु बने, वे बढ़ई, मोची, दर्जी, लोहार, टिनस्मिथ, वैल्डर, मोल्डर, इलेक्ट्रीशियन, मशीनिस्ट, टर्नर इत्यादि पेशों के कुशल कारीगर होते थे। उनके साथ रहकर मुझे उस वर्ग के प्रति श्रद्धा होने लगी और फिर आजन्म वह प्रेम संबंध बना रहा। उनसे हमने न सिर्फ उनकी कारीगरी की सीख ली, बल्कि मानवता का एक नया पाठ भी पढ़ा।' शेखर जी की खासियत यह भी रही कि उनकी कहानियों में अपनी पूरी जीवंतता और व्यावहारिकता के साथ मेहनतकश किरदार तो हैं पर आंदोलन, झंडेबाजी और नारों का शोर नहीं है... वे बाह्य जगत की तुलना में आंतरिक गति को प्राथमिकता देने वाले कथाकार हैं। अपने उस्तादों को (उम्र या ओहदे में बड़े हों या छोटे) तो उन्होंने अपनी कहानियों में अमर बना ही दिया, साथ-साथ अपने लेखों व संस्मरणों में वे बार-बार उनका कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करते हैं : - 'मुझे याद आता है, अपहोल्स्टर शॉप में जहां कैनवास और चमड़े का सामान बनता था, वहां एक सप्ताह के प्रशिक्षण के दौरान मेरा पहला शिक्षक एक बूढ़ा मोची था जिसने चमड़े के रोल में से एक लम्बी पट्टी काट कर उसमें रांपी से एक सीधी लकीर खींच कर सुए और तागे से सीधी सिलाई (गंठाई) करने की जब मुझे शिक्षा दी तब मैंने कैसा थ्रिल अनुभव किया था। उस्ताद की पैनी निगाह मेरे काम पर टिकी थी और सिलाई के एक भी टांके के लीक से बाहर होने पर कैसी असंतुष्ट आवाज उनके गले से निकल पड़ती थी!' अपनी कहानियों में वे अक्सर अपने किरदारों के इर्दगिर्द उपस्थित ध्वनियों, गंधों और रंगों की आत्मीय चर्चा करते हैं, जैसे इंसान की दुनिया में वे भी उस जैसे ही जीवित किरदार हों। एक दिलचस्प उदाहरण देखिये : 'लकड़ी के चिरान की भी अपनी एक सौंधी गंध होती है- तवे में सेंकी जाती रोटियों की खुशबू की तरह, और आरा मशीन का अपना संगीत होता है- किसी पहाड़ी झरने की झिर्र-झिर्र-सा। ...पेंट शॉप में स्प्रे मशीन से उठती सतरंगी फुहारों के बीच बदरंग काठ-कबाड़ को नया रूप मिलता।' उनकी एक अविस्मरणीय कहानी है 'बदबू', जिसमें कारखाने में नये-नये भर्ती हुए एक युवक को काम ख़त्म करके दिनभर के पेंट-ग्रीस इत्यादि की चिकनाई और दुर्गन्ध से छुटकारा पाने के लिए किरासन तेल से हाथ साफ़ करना बहुत नागवार गुजरता है - उसके हाथ से बाद में भी किरासन की बदबू आती रहती है। अपने अन्य साथियों की तरह वह उस बदबू का अभ्यस्त नहीं होता (दरअसल बदबू रहते हुए भी न महके) पर 'एक दिन उसको लगता है कि उसे भी बदबू लगना बंद हो गई है। वह चिंतित हो उठता है और फिर से नाक के पास हाथ ले जा कर सूंघता है। उसे बड़ी राहत मिलती है कि उसे भ्रम हुआ था, बदबू अब भी आ रही है।' यहां बदबू एक जीवनदायी रूपक के तौर पर उपस्थित है और एक कामगार के जीवन में उसका आते रहना मानवीय जिजीविषा का बचे रहना है।

88 वर्ष की अवस्था में लिखी किताब मेरा ओलिया गांव की भूमिका में शेखर जी लिखते हैं 'मैंने यह पुस्तक बच्चों को ध्यान में रखकर लिखने का मन बनाया था। यदि आप सोचते हैं कि आप उम्र से ही नहीं, मानसिक रूप से भी वयस्क हो गए हैं तो भी आप इसे पढ़ें क्योंकि वह बच्चा अभी भी आपके अंदर पालथी मार कर बैठा है जिसे आप पीछे छोड़ आए थे।' इसके एक दिलचस्प अध्याय में वे बचपन के हवाले से जंगल में झोपड़ी बनाकर रहने वाली एक बुढ़िया के बारे में बताते हैं जिस से यह पूछा गया कि क्या तुम्हें यहां बाघ, भालू का डर नहीं लगता। इस पर बुढ़िया ने उत्तर दिया था कि उसे सिर्फ टपटपुवा का डर लगता है, जिसके कारण वह रात में सो नहीं पाती। यह बात पिछवाड़े छिपा बाघ सुन लेता है और भाग खड़ा होता है। बाघ को लगता है कि टप-टपुआ उससे भी शक्तिशाली कोई जीव है। मुझे यह उद्धरण इसलिए महत्वपूर्ण लगता है कि शेखर जी अपनी कहानियों में बेहद गंभीर विषयों पर लिखते हुए भी कभी गंभीरता का लबादा नहीं ओढ़ते थे। उनके सम्पूर्ण लेखन में जीवन को पूरी सहजता और रसिकता के साथ जीने का संकल्प दिखाई देता है। दरअसल, जो जीवन को एक श्रमशील कारीगर के हुनर के साथ जीने को तत्पर हो वही लिख सकता है कि 'कारीगर एक तरह का रचनाकार होता है।'

(चिंतन-मनन)

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है। ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते हैं।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश: चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

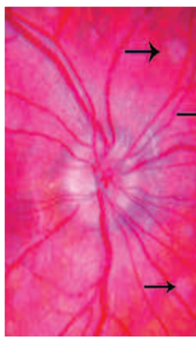

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इस फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट दर्ज की गयी। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के अलावा वित्तीय और पूंजीगत सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से आयी है। इसके अलावा मंदी की आशंका से भी बाजार गिरा है। विदेशी निवेशकों की निकासी जारी रहने से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। मंदी की आशंका बढ़ने से निवेशक कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 390.58 अंक करीब 0.68 फीसदी टूटकर 57,235.33 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी 109.25 अंक तकरीबन 0.64 फीसदी नीचे आकर 17,014.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा 7.03 फीसदी गिरावट दर्ज की गयी।

इसके अलावा एसबीआई, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड के शेयर भी गिरे हैं। वहीं दूसरी ओर एचसीएल टेक, सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। इन शेयरों में 3.19 फीसदी की बढ़त रही। बाजार जानकारों के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी है पर अमेरिका में बढ़ती महंगाई दर के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार प्रभावित हुआ है जिसका असर घरेलू बाजार पर भी पड़ा है। वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान के साथ ही नीचे आये जबकि यूरोपीय देशों के बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी रही पर समय के साथ ही यह नीचे आने लगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.31 फीसदी बढ़कर 92.74 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

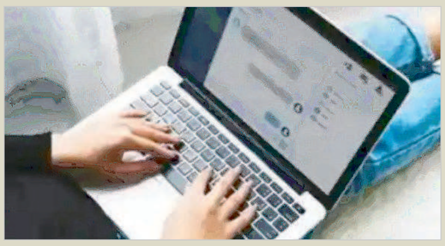

कंपनियों ने वर्क फ्रॉम होम के लिए कर्मचारियों से मांगा मेडिकल सर्टिफिकेट!

- आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने भी कर्मचारियों से ऑफिस आने के लिए कहा

नई दिल्ली । कोरोना काल में अे धिकतर कंपनियों ने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी थी। कई कंपनियों के ऑफिस अभी तक नहीं खुले हैं। वहीं जिन कंपनियों के ऑफिस खुल भी गए हैं वहां अभी ज्यादातर लोग वर्क फॉम होम कर रहे हैं। कंपनियां अब कर्मचारियों को ऑफिस बुला रही है ले किन अभी भी ज्यादातर कर्मचारी ऑफिस आने के मूड में नहीं हैं। कर्मचारी अभी घर से ही काम करना चाहते हैं। खबर के मुताबिक, दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने भी कर्मचारियों से ऑफिस आने के लिए कहा है। लेकिन यहां भी अभी कई कर्मचारी ऑफिस नहीं आना चाहते हैं।कंपनी के ऑफिस बुलाने पर अभी बहुत से कर्मचारी ऐसे हैं जो सेहत का हवाला देते हुए घर से काम करने की मांग कर रहे हैं। कई कर्मचारी तबीयत खराब होने की बात कहकर वर्क फॉम होम कर रहे हैं। ऐसे में आईटी कंपनी टीसीएस ने ऐसे कर्मचारियों से अब मेडिकल सर्टिफिकेट की मांग की है। ऐसे कर्मचारी जो स्वास्थ्य ठीक नहीं होने का हवाला दे रहे हैं, उन्हें इस दिग्गज आईटी कंपनी की ओर से लिस्टेड डॉक्टरों के पास हेल्थ चेकअप के लिए भेजा जा रहा है। इससे ये देखा जाएगा कि क्या वाकई कर्मचारी की हालत ऑफिस से काम करने लायक नहीं है या फिर उसे ऑफिस बुलाया जा सकता है। घर से काम करने की अनुमित केस-टू-केस के आधार पर दी जा सकती है या नहीं। रिपोर्टस के मुताबिक टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने इस मामले में कर्मचारियों को मेल भी किया है। जिसमें कर्मचारियों को कंपनी की ओर से पैनल में शामिल डॉक्टरों की टीम से उपचार और चिकित्सा प्रमाण पत्र जैसे मेडिकल रिकॉर्ड देने के लिए कहा गया है।

मेडेन फार्मा की सोनीपत इकाई में दवा बनाने पर रोक

सोनीपत । हरियाणा सरकार ने मेडेन फार्मास्युटिकल्स की सोनीपत स्थित इकाई में दवा निर्माण पर रोक का आदेश जारी किया है और हाल में निरीक्षण के दौरान पाए गए कई उल्लंघनों पर एक सप्ताह के अंदर जवाब देने को कहा है, अन्यथा उसे लाइसेंस निलंबित या रद्द होने का सामना करना होगा। डब्ल्यूएचओ द्वारा अफ्रीकी देश गांबिया में 66 बच्चों की मौत का संभावित कारण कंपनी द्वारा निर्मित खांसी के सिरप को बताए जाने के कुछ दिन बाद रोक का यह आदेश आया है। विज ने बतायो कि हमने आदेश दिया है कि इकाई में सभी तरह के दवा निर्माण को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। विज ने कहा कि घटना के बाद राज्य एवं केंद्र की एक संयुक्त टीम ने इकाई का निरीक्षण किया और 12 उल्लंघन या त्रुटियां पाईं। उन्होंने कहा कि इसके मद्देनजर राज्य सरकार ने कंपनी की इस इकाई में दवा निर्माण पर रोक का आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि खांसी के जिन चार सिरप के नमूनों को जांच के लिए कोलकाता में केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला भेजा गया है, उनकी रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद उसके आधार पर हम आगे की कार्रवाई करेंगे।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपये में गिरावट आई है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे टूटकर 82.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं दिन में रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 82.30 पर खुला पर अंत में यह पांच पैसे की गिरावट दर्ज करते हुए 82.38 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 82.25 से 82.42 के दायरे में बना रहा। इससे पहले रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 12 पैसे गिरकर 82.33 पर बंद हुआ था। जानकारों के अनुसार कमजोर क्षेत्रीय मुद्राओं और निराशाजनक घरेलू आर्थिक आंकड़ों से भारतीय रुपये पर दबाव पड़ा। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 82.85-82.10 के सीमित दायरे में रह सकता है। वहीं इसी बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 फीसदी टूटकर 113.02 पर आ गया।

मस्क ट्विटर पर खुद को बता रहे 'परफ्यूम सेल्समैन'!

नई दिल्ली ।

दुनिया के रईसों में से एक एलन मस्क ने इन दिनों परफ्यूम के कारोबार में प्रवेश किया है। बर्न्ट हेयर नाम से लॉन्च ब्रैंड की दो दिन के भीतर 20,000 से ज्यादा बोतलें बिक चुकी हैं। बर्न्ट हेयर परफ्यूम की एक बोतल 100 डॉलर में बिकती है। इसकी डिलिवरी 2023 की पहली तिमाही से शुरू होगी। मस्क ने ट्विटर पर अपना बायो बदल लिया है और खुद को 'परफ्यूम सेल्समैन' बता रहे हैं। हाल ही में खबर आई थी कि मस्क ने ट्विटर को 54.20 डॉलर प्रति शेयर पर खरीदने का प्रस्ताव दिया है। दोनों के बीच 44 अरब डॉलर की डील हुई थी। मस्क इतनी पूंजी कहां से लाएंगे? इस सवाल का ही जवाब है बर्न्ट हेयर परफ्यूम। मस्क ने एक ट्वीट में लोगों से उनका परफ्यूम खरीदने को कहा ताकि वे ट्विटर को खरीद सकें। मस्क ने यह परफ्यूम अपनी टनलिंग फर्म बोरिंग कंपनी के जरिए लॉन्च किया है। इस कंपनी का पूंजीकरण 5.7 बिलियन डॉलर है। 2018 की शुरुआत में कंपनी ने 500-500 डॉलर में फ्लेमथ्रोअर्स बेचकर 10 मिलियन डॉलर कमाए थे। कंपनी की 50 हजार हैट्स भी बिकीं।

भारत जटिल मुद्दों का हल निकालने प्रौद्योगिकी उपयोग कर मिसाल पेश कर रहा: आईएमएफ

- भारत की डीबीटी और अन्य समाज कल्याण कार्यक्रमों को लॉजिस्टिक चमत्कार बताया

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा कि भारत जटिल मुद्दों का समाधान निकालने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एक प्रेरणादायी मिसाल पेश कर रहा है और इस देश की बहुत सी बातें सीखने लायक हैं। उसने भारत की प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना (डीबीटी) और इसी प्रकार के अन्य समाज कल्याण कार्यक्रमों को लॉजिस्टिक चमत्कार बताया। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का लक्ष्य विभिन्न समाज कल्याण योजनाओं के लाभ एवं सब्सिडी को पात्र लोगों के खाते में समय पर और सीधे भेजना है जिससे प्रभावशीलता, पारदर्शिता बढ़ती है तथा मध्यस्थों की भूमिका कम होती है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2013 से डीबीटी के जरिए 24.8 लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि लाभान्वितों तक पहुंचाई गई है जिसमें से 6.3 लाख करोड़ रुपए के लाभ सिर्फ 2021-22 में ही पहुंचाए गए। 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार औसतन 90 लाख से अधिक डीबीटी भुगतान प्रतिदिन होते हैं। आईएमएफ में वित्तीय मामलों के विभाग के उप निदेशक पाओलो माउरो ने कहा कि भारत से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। दुनिया में प्रेरणादायी कई अन्य उदाहरण भी हैं, हर महाद्वीप और हर आय स्तर के उदाहरण हमारे सामने हैं। यदि हम भारत की बात करें तो यह बहुत प्रभावशाली है। भारतीय सरकार द्वारा प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि देश के आकार को देखते हुए यह लॉजिस्टिक चमत्कार ही है जिस तरह से गरीब लोगों की मदद के लिए शुरू किए गए ये कार्यक्रम लाखों लोगों तक पहुंचे हैं।

भारत में टैबलेट नोकिया टी10 लॉन्च

-इन टेबलेट को देगा कडी टक्कर

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में नोकिया ने एक टैबलेट नोकिया टी10 लॉन्च किया है।भारत में अब नोकिया टी10 के वायफाय और एलटीई वेरिएंट दोनों ही उपलब्ध हैं। कंपनी ने अब इसका एलटीई वेरिएंट पेश किया है। ग्लोबल मार्केट में कंपनी पहले ही अपने अफोर्डेबल टैबलेट को लॉन्च कर चुकी है। टैबलेट के दोनों ही वेरिएंट एक ही स्पेसिफिकेशन्स के साथ आते हैं।इनमें सिर्फ एलटीई और वायफाय का अंतर है। वाईफाई वेरिएंट के मुकाबले एलटीई वेरिएंट की कीमत थोड़ी ज्यादा है। नोकिया टी10 एक बजट टैलबेट है, जिसका सीधा मुकाबला रियलमी पेड, रेडमी पेड और दूसरे डिवाइसेस है। आइए जानते हैं इनकी कीमत और दूसरे स्पेसिफिकेशन्स।नोकिया का यह टैबलेट दो रैम और स्टोरेज कॉन्फिग्रेशन में आता है। इसके 3जीबी रैम + 32जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 12,799 रुपये है। वहीं इसका 4जीबी रैम + 64जीबी स्टोरेज वाला वेरिएंट 13,799 रुपये में आता है। इसे आप अमेजन और नोकिया की आधिकारिक वेबसाइट से खरीद सकते हैं। टैबलेट सेल पर 15 अक्टूबर से उपलब्ध होगा।नोकिया का यह टैबलेट एक एंट्री लेवल यूजर को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें 8-इंच का एलसीडी डिस्प्ले मिलता है, जो एचडी रेज्योलूशन के साथ आता है। इस पर आप नेटफलीक्स एचडी कंटेंट भी देख सकते हैं। टैबलेट सिंगल रियर कैमरा सेटअप के साथ आता है, जो रियर साइड में दिया गया है। इसमें 8एमपी का लेंस और एलईडी फ्लैश दिया गया है।फ्रंट में कंपनी ने 2एमपी का सेल्फी कैमरा दिया गया है। डिवाइस 1,6जीएचझी यूनिसोक टी606 चिपसेट पर काम करता है, जो माली जी57 एमपी1 जीपीयू के साथ आता है। डिवाइस को पावर देने के लिए 5250 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो 10 डब्ल्यू की चार्जिंग सपोर्ट करती है। इसमें 4जी एलटीई, डयूल बंद वायफाय , ब्ल्यूटूथ और यूएसबी-सी पोर्ट दिया गया है। इसमें 4 जीबी रैम और 64जीबी स्टोरेज ऑप्शन मिलता है। स्टोरेज को आप 512जीबी तक माइक्रो एसडी कार्ड की मदद से एक्सपैंड कर सकते हैं। टैबलेट एंड्राएड 12 पर काम करता है। इसमें दो एंड्रॉयड अपडेट और तीन साल तक मंथली सिक्योरिटी अपडेट मिलता रहेगा।

सरकार अप्रैल 2023 से सख्ती से लागू एमिशन नॉम्स को

-सभी गाड़ियों को बीएस-6 स्टेज 2 के मानकों पर बनाना होगा

नई दिल्ली ।

अप्रेल 2023 से सरकार एमिशन नॉम्स को सख्ती से लागू करने वाली है। ऐसे में मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों को अपनी सभी गाड़ियों को बीएस-6 स्टेज 2 के मानकों पर बनाना होगा। फिलहाल कंपनियां इस स्टेज के लिए काम कर रही हैं। ऐसा होने पर एमिशन नॉम्स यूरो 6 के मानकों के समान हो जाएंगे। अब कारों की कीमतों में इजाफा इस कारण से होगा कि कंपनियों को नए एमिशन नॉर्म्स के अनुसार गाड़ियों के इंजन और उसके डिजाइन में बदलाव करने होंगे। ऐसा करने पर मैन्युफैक्चिरिंग इक्विपमेंट्स भी बदलने होंगे। ऐसे में कार कंपनियों की लागत बड़ेगी। ऐसे में ये बढ़ा हुआ पैसा आखिरकार कार ग्राहकों को ही अपनी जेब से चुकाना होगा।बीएस 6 स्टेज 2 के अकॉर्डिंग वाहनों के निर्माण के लिए कारों में ऐसा एक्विपमेंट भी लगाना होगा जो एमिशन के लेवल को गाड़ी चलने के दौरान ही मॉनिटर कर सके। ये इक्विपमेंट कार के कैटेलिक कन्वर्टर और ऑक्सीजन सेंसर्स को मॉनिटर करेगा। एमिशन का लेवल ज्यादा होने पर ये इक्विपमेंट चेतावनी देगा और बताएगा कि कार की सर्विसिंग का समय आ गया है।इसके साथ ही कारों में प्रोग्राम्ड फ्यूल इंजेक्टर लगाया जाएगा जो कार के माइलेज को बढ़ाने का काम करेगा और ज्यादा फ्यूल खर्ज होने से रोकेगा। इसके साथ ही कारों में लगने वाली सेमिकंडक्टर चिप को भी अब नए नॉर्म्स के अनुसार अपडेट करना होगा जो कि एक लंबा चौड़ा प्रोसेस बन कर सामने आएगा। ये सभी बातें मिल कर कारों की प्रोडक्े शन कॉस्ट को बढ़ा देंगी। इस संबंध में ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट्स का कहना है कि नए नॉर्म्स के आने से वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि ये उतनी नहीं होगी जितनी बीएस 4 से बीएस 6 स्टेज 1 तक जाने के दौरान हुई थी। लेकिन पहली स्टेज के मुकाबले दूसरी स्टेज में ये बढोत्तरी लोगों की जेब पर कुछ तो भार डालेगी। हालांकि ये कितनी होगी इसका फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है क्योंकि ये कारों के मॉडल और इंजन कैपेसिटी के अनुसार अलग अलग होगी। अगर आप भी कार खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो जल्द खरीद लें, क्योंकि ऐसा हो सकता है कि आने वाले कुछ ही दिनों में गाड़ियों की कीमतों में इजाफा हो जाए।

देश का कर्ज जीडीपी अनुपात 84 फीसदी रह सकता है: मुद्रा कोष

वाशिंगटन । भारत का कर्ज सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में इस साल 84 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अधिक है। हालांकि अच्छी बात यह है कि भारत का कर्ज ऐसा है, जिसको संभालने को लेकर कोई बड़ी समस्या नहीं है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के उप-निदेशक (राजकोषीय मामले) पॉउलो माउरो ने कहा कि भारत के लिए जरूरी है कि उसके पास राजकोषीय मोर्चे पर मध्यम अवधि का लक्ष्य बिल्कुल साफ हो। राजकोषीय स्थिति को स्थिर बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों को लेकर कई चीजें स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों और निवेशकों को आश्वस्त करना बहुत महत्वपूर्ण होगा कि चीजें नियंत्रण में है। आने वाले समय में स्थिति बिगड़ेगी नहीं। माउरो ने कहा कि कर्ज अनुपात के संदर्भ में हमारा अनुमान है कि भारत का कर्ज-जीडीपी अनुपात करीब 84 प्रतिशत रहेगा। यह कई उभरते देशों के मुकाबले ज्यादा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश होने और एक बहुत बड़ी उभरती हुई अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत की बहुत सी खास विशेषताएं हैं। आईएमएफ के अधिकारी ने कहा कि वैश्विक स्थिति और विभिन्न देशों में हालात को देखते हुए, मुद्रास्फीति थोड़ी ऊंची है। इन सभी चीजों को देखते हुए घाटा कम करना और समय के साथ कर्ज को धीरे-धीरे कम करना जरूरी जान पड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत के पक्ष में एक और अच्छी चीज आर्थिक वृद्धि दर का ऊंचा बने रहना है।

देश के कुछ राज्यों में सस्ता मिलेगा पेट्रोल और डीजल

- ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 92.37 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।

देश की सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार सुबह पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कर दी है। गुरुवार को कुछ राज्यों में कीमतें कम हो गई हैं, वहीं कुछ राज्यों में बढ़ोतरी भी देखने को मिली है। अच्छी बात यह है कि देश के चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 92.37 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई 87.13 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। बिहार में पेट्रोल 51 पैसे घटकर 109.15 रुपए प्रति लीटर और डीजल 48 पैसे घटकर 95.80 रुपए प्रे ति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं पंजाब में 22 पैसे घटकर पेट्रोल 96.68 रुपए और डीजल 21 पैसे घटकर 87.03 रुपए पर आ गया है। राजस्थान में पेट्रोल 15 पैसे घटकर 108.54 रुपए और डीजल पैसे घटकर 93.78 पर आ गया है। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भी 20 पैसे घटकर पेट्रोल 96.51 रुपए और डीजल 89.67 रुपए प्रति लीटर आ गया है। दूसरी तरफ हिमाचल, गुजरात और तेलंगाना में कीमत में बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

आरबीआई ने इकाइयों को ब्रिकवर्क से नई रेटिंग लेने से मना किया

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उसके दायरे में आने वाली इकाइयों को ब्रिकवर्क रेटिंग्स इंडिया से नई रेटिंग लेने से मना किया। सेबी के ब्रिकवर्क को अपना परिचालन समेटने के निर्देश के बाद आरबीआई ने यह कहा है। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने छह अक्टूबर को ब्रिकवर्क रेटिंग्स इंडिया के लाइसेंस को रद्द कर दिया। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी से आदेश की तिथि से छह महीने के भीतर परिचालन बंद करने को कहा गया है। आरबीआई ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के रेटिंग एजेंसी का पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द करने का हवाला देते हुए अपने दायरे में आने वाली इकाइयों, बाजार प्रतिभागियों को ब्रिकवर्क से नया कोई रेटिंग नहीं लेने को कहा है। इकाइयों से उक्त रेटिंग एजेंसी की सेवा तत्काल बंद करने को कहा गया है। केंद्रीय बैंक के दायरे में आने वाली इकाइयों में बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां, क्रेडिट इनफॉर्मेशन ब्यूरो, आवास वित्त कंपनियां समेत अन्य शामिल हैं। आरबीआई ने कहा कि रेटिंग एजेंसी की तरफ से जारी मौजूदा साख की स्थिति को लेकर निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि सेबी ने छह अक्टूबर को ब्रिकवर्क की तरफ से कई नियमों के उल्लंघन का जिक्र किया था। इसमें उपयुक्त रेटिंग प्रक्रिया का अनुपात और रेटिंग देने से पहले जांच-पड़ताल करने में विफल रहना शामिल हैं। बाजार नियामक ने कंपनी को नये ग्राहक जोड़ने से प्रतिबंधित कर दिया है।

सितंबर में भी मारुति ब्रेजा नंबर 1 कॉम्पैक्ट एसयूवी रही

-नेक्सॉन को पीछे छोड़ा, पंच की भी बंपर सेल

नई दिल्ली ।

बीते सितंबर महीने में भी मारुति ब्रेजा नंबर 1 कॉम्पैक्ट एसयूवी रही। एक बार फिर ब्रेजा ने पॉपुलर टाटा नेक्सॉन को पीछे छोड़ दिया। सितंबर 2022 में मारुति ब्रेजा की 15,445 यूनिट्स सेल हुईं। वहीं सितंबर 2021 में इस कार की सिर्फ 1,874 यूनिट्स सेल हुई थी। भारत के ऑटोमोबाइल बाजार में कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट बेहद पॉपुलर है। सितंबर 2022 के कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट के सेल्स के आंकड़े जारी हो गए हैं। ब्रेजा की सेल में 724 पर्सेंट की ग्रोथ देखी गई। वहीं नेक्सॉन भी ब्रेजा से ज्यादा पीछे नहीं रही। नेक्सॉन की 14,518 यूनिट्स सितंबर में सेल हुई।पंच माइक्रो एसयूवी घरेलू कुल 12,251 यूनट्सि के साथ तीसरे स्थान पर रही। नेक्सॉन और पंच दोनों ने पिछले महीने घरेलू ऑटो प्रमुख के लिए 26,000 से अधिक यूनिट की बिक्री में योगदान दिया। फाइव-सीटर की ग्लोबल एनकैप सेफ्टी रेटिंग फाइव स्टार है और यह अल्फा प्लेटफॉर्म पर आधारित है। यह पिछले साल के अंत में बाजार में अपनी शुरुआत के बाद से बिक्री में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। अधिक शक्तिशाली एक्सयूवी300 टर्बो स्पोटर्स वैरिएंट को कुछ दिन पहले पेश किया गया था। रेनॉल्ट किगर अपने भाई निसान मैग्नाइट के बाद आठवें स्थान पर रही, जबकि टोयोटा अर्बन क्रूजर और होंडा डब्ल्यूआर-वी शीर्ष दस में रही।हुंडई की वेन्यू कुल 11,033 यूनट्सि के साथ चौथे स्थान पर रही, जबकि 2021 में इसी अवधि के दौरान 7,924 यूनट्सि की बिक्री में 39.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। फेसलिफ़्टेड वेन्यू को कुछ महीने पहले बाहरी और आंतरिक बदलावों के साथ लॉन्च किया गया था, और हाल ही में वेन्यू एन लाइन ने रेंज का और विस्तार करने के लिए शुरुआत की।

सोना और चांदी में हल्की बढ़त

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार और भारतीय वायदा बाजार में गुरुवार को सोने का भाव तेज हुआ है। भारतीय बाजार में चांदी में भी हल्की तेजी देखी जा रही है, लेकिन वैश्विक बाजार में इसका भाव गिरा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 0.02 फीसदी चढ़ गया है। वहीं चांदी के भाव में एमसीएक्स पर 0.04 फीसदी की तेजी आई है। गुरुवार को एमसीएक्स पर 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव सुबह 11 रुपए तेजी के साथ 50,916 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। सोने का भाव सुबह 50,891 रुपए पर खुला था। एक बार यह 50,918 तक गया था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के भाव में थोड़ी गरमी देखी जा रही है। चांदी 23 रुपए तेज होकर 57,348 रुपए हो गई है। चादी 57,374 रुपए से शुरू हुई। एक बार भाव 57,400 रुपए हो गया लेकिन कुछ समय बाद यह 57,348 रुपए पर कारोबार करने लगी। अंतरराष् ट्रीय बाजार में सोने के भाव में आज तेजी है। वहीं चांदी में गिरावट है। सोने का हाजिर भाव 0.32 फीसदी चढ़कर 1,669.0.6 डॉलर प्रति औंस हो गया है। पिछले कई कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद सोना संभला है। चांदी के भाव में भी गिरावट आई है। चांदी का हाजिर भाव 0.79 फीसदी गिरा है और भाव 18.98 डॉलर प्रति औंस हो गया है।

दिल्ली में सोना बुधवार को 20 रुपए टूटकर 51,155 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया था। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 51,175 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। सोने की तरह चांदी भी 473 रुपए के नुकसान से 58,169 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

खिलाड़ियों के जूते देर से पहुंचने की जांच कराएगा AIFF

भुवनेश्वर। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) फीफा महिला अंडर-17 विश्व कप में भाग ले रही चार खिलाड़ियों के जूते देर से पहुंचने की जांच कराएगा। जूते देर से पहुंचने के कारण खिलाड़ियों को इनका उपयोग पहली बार अमेरिका के खिलाफ मैच के दौरान ही करना पड़ा था। एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरण ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय टीम के विभाग से रिपोर्ट देने के लिए कहा है कि आखिर खिलाड़ियों के नए जूते सही समय पर क्यों नहीं पहुंचे। उन्होंने कहा जरूरत पड़ी तो इस पर कार्रवाई की जाएगी। प्रभाकरण ने गुरुवार को पीटीआई से कहा,''शुरुआती रिपोर्ट के बाद हमने तथ्यों का पता लगाने और जिम्मेदारी तय करने के लिए जांच करवाने का फैसला किया है।'' पता चला है कि कुछ खिलाड़ियों विशेषकर वे खिलाड़ी जिनका जूते का नंबर कम है उन्होंने पिछले महीने नए जूते दिलाने का आग्रह किया था लेकिन जूते देर से पहुंचे। प्रभाकरण ने कहा, ''हमने एआईएफएफ के राष्ट्रीय टीम विभाग से रिपोर्ट मांगी है। यह कैसे हुआ यह पता करने के लिए हमारे पास पूरे तथ्य नहीं हैं।

नए बीसीसीआई अध्यक्ष के चयन से पहले सौरव गांगुली बोले- कोई भी हमेशा के लिए प्रशासन में नहीं रह सकता

कोलकाता ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि उन्होंने एक क्रिकेट प्रशासक के रूप में अपने समय का आनंद लिया, लेकिन कोई हमेशा के लिए नहीं खेल सकता, प्रशासन में हमेशा के लिए रह सकता है। उनकी टिप्पणी तब आई है जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर और विश्व विजेता टीम के कप्तान रोजर बिन्नी के बीसीसीआई अध्यक्ष का पद संभालने की बात सामने आई है। गांगुली ने एक कार्यक्रम में कहा, मैं पांच साल तक बंगाल क्रिकेट संघ का अध्यक्ष था। मैं वर्षों से बीसीसीआई का अध्यक्ष हूं। इन सभी शर्तों के बाद आपको जाना होगा। एक प्रशासक के रूप में टीम के लिए आपको बहुत योगदान देना होगा और चीजों को बेहतर बनाना होगा। मैं एक खिलाड़ी होने के नाते, जो लंबे समय से आसपास था, मैंने इसे समझा। मैंने एक प्रशासक के रूप में अपने समय का पूरा आनंद लिया। आप हमेशा के लिए नहीं खेल सकते और आप हमेशा के लिए प्रशासन में नहीं रह सकते। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रोजर बिन्नी के सौरव गांगुली की जगह अगले बीसीसीआई अध्यक्ष होने की संभावना है जबकि भाजपा विधायक आशीष शेलार को क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सूत्रों के अनुसार अरुण धूमल की जगह कोषाध्यक्ष होने की संभावना है। जय शाह बीसीसीआई सचिव के रूप में अपना पद बरकरार रखेंगे।मुंबई के ट्राइडेंट होटल में मंगलवार को हुई बीसीसीआई की बैठक में देश के विभिन्न हिस्सों के विभिन्न संघों के पदाधिकारियों ने बोर्ड में विभिन्न पदों के लिए नामांकन दाखिल किया। 18 अक्टूबर को होने वाले चुनावों की अगुवाई में बीसीसीआई की आंतरिक बैठक में चर्चा हुई। बीसीसीआई के वरिष्ठ प्रशासक राजीव शुक्ला बोर्ड के उपाध्यक्ष बने रहेंगे जबकि आशीष शेलार के अरुण धूमल की जगह नए कोषाध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने की संभावना है। बिन्नी ने पहले बीसीसीआई चयन समिति के सदस्य के रूप में काम किया है और वह 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य भी हैं। पूर्व तेज गेंदबाज रोजर बिन्नी को बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में गांगुली की जगह लेने के लिए सबसे आगे कहा जाता है। 67 वर्षीय बिन्नी वर्तमान में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं। नामांकन की तारीख 11 और 12 अक्टूबर थी जबकि नामांकन की जांच 13 अक्टूबर को होगी और उम्मीदवार 14 अक्टूबर तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। बीसीसीआई के वर्तमान अध्यक्ष सौरव गांगुली को 16 सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड के अध्यक्ष पद के लिए भारत का प्रतिनिधि माना जा रहा है जिसके लिए चुनाव इस नवंबर में होने हैं।

मलान की शानदार पारी से इंग्लैंड ने दूसरे टी20 में भी ऑस्ट्रेलिया को हराया

कैनबरा ।

टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को करारा झटका लगा है। उसे इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भी हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही इंग्लैंड टीम तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए डेविड मलान के 82 रनों की पारी की सहायता से 7 विकेट पर 178 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 6 विकेट पर 170 रन ही बना पायी। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से मिचेल मार्श ने सबसे ज्यादा 45 रन बनाए पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। वहीं इंग्लैंड के तेज गेंदबाज सैम करेन ने 4 ओवर में 25 रन देकर 3 खिलाड़ियों को आउट किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही। कप्तान एरॉन फिंच 13 और डेविड वॉर्नर 4 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। वहीं ग्लेन मैक्सवेल भी केवल 8 रन ही बना पाये। मिचेल मार्श और मार्कस स्टाइनिस ने किसी प्रकार टीम को 100 रन तक पहुंचाया। स्टाइनिस ने 22 जबकि मिचेल ने 45 रन बनाये। इसके बाद टिम डेविड ने 40 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने का अंतिम प्रयास किया पर वह नाकाम रहे। मैथ्यू वेड 10 और पैट कमिंस 18 रन बनाकर नाबाद रहे। करेन के तीन विकेटों के अलावा इंग्लैंड की ओर से बेन स्टोक्स, डेविड विली और रीस टॉप्ली ने भी एक-एक विकेट लिया। वहीं इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआत में ही 4 विकेट गंवा दिये थे। कप्तान जोस बटलर 17, एलेक्स हेल्स 4, बेन स्टोक्स 7 और हैरी ब्रुक एक रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये पर मलान और मोईन अली ने 92 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मोईन ने 27 गेंद पर 44 रन बनाए। वहीं मलान ने 82 रन बनाए।

विश्व सुपर लीग में शीर्ष पर पहुंची भारतीय टीम

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत से काफी लाभ हुआ है और टीम अंक तालिका में मिले लाभ के कारण विश्व सुपर लीग में शीर्ष पर पहुंच गयी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के साथ ही भारतीय टीम अब पुरुष विश्व कप सुपर लीग की अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गई है। वहीं दूसरे नंबर पर इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश की टीमें है। दूसरे नंबर की टीमों ने संयुक्त रूप से बराबर मैच खेले हैं पर इसके बाद भी उनके अंक कम हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में मिली हार के बाद भारतीय टीम विश्व कप सुपर लीग की अंक तालिका में छठे नंबर पर पहुंच गई थी उस समय उसके 109 अंक थे। वहीं सीरीज के अंतिम दो मुकाबले जीतकर भारतीय टीम ने बाजी पलट दी। दोनों मैचों में जीत हासिल करने के साथ ही भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर आ गयी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम दो मुकाबले में मिली जीत के बाद भारतीय टीम को 20 अंकों का लाभ हुआ है। इन दो मैचों में जीत के बाद भारतीय टीम के कुल 129 अंक हो गए हैं। इस प्रकार 129 अंक लेकर भारतीय टीम इस सूची के शीर्ष पर पहुंच गई हैं।

महिला एशिया कप : भारतीय टीम थाईलैंड को 74 रनों से हराकर फाइनल में पहुंची

शनिवार को श्रीलंका से होगा खिताबी मुकाबला

प्लेयर ऑफ द मैच : शैफाली वर्मा

सिलहट ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आज यहां खेले गये महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में थाईलैंड टीम को 74 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम फाइनल में पहुंच गयी है। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका ने पाकिस्तान को एक रन से हरा दिया। इस प्रकार अब शनिवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम की टक्कर श्रीलंका से होगी। इस मैच में थाईलैंड टीम की कप्तान ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा और हरमनप्रीत कौर की शानदार बल्लेबाजी से निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 148 रन बनाये। भारत की ओर से शेफाली ने 28 गेंदों में सबसे ज्यादा 42 रन बनाये। अपनी इस पारी में शैफाली ने पांच चौके और एक छक्का लगाया। शैफाली के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 गेंद में 4 चौके की सहायता से 36 और जेमिमा रोड्रिग्स ने 26 गेंद में 27 रन बनाये। वहीं थाईलैंड की ओर से सोर्णारिण थिपोच सबसे सफल गेंदबाज रहीं। सोर्णारिण ने 4 ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके अलावे नटाया बूचाथम ने 31 रन, फानिता माया ने 12 रन और थिपाटचा पुथावोंग ने 24 रन देकर 1-1 विकेट लिए। इस प्रकार थाईलैंड टीम को जीत के लिए 149 रनों का कठिन लक्ष्य मिला। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए थाईलैंड टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर 74 रन ही बना पायी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 74 रनों से यह सेमीफाइनल मुकाबला जीत लिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम टीम फाइनल में भी पहुंच गई है। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने तीन जबकि रोजश्वरी गायकवाड़ ने दो विकेट लिए। रेणुका सिंह, स्नेह राणा और शेफाली वर्मा को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए थाइलैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। थाईलैंड का पहला विकेट नन्नापत कोंचरोएन्काई का गिरा। कोंचरोएन्काई केवल 5 रन बनाकर दीप्ति शर्मा का शिकार बनीं। इसके बाद दीप्ति ने नत्थाकन चैंथम को भी 4 रनों पर ही आउट कर थाई टीम को एक और झटका दिया। दीप्ति ने इसके बाद सोर्नारिन टिप्पोच को 5 रनों पर ही आउट कर अपना तीसरा विकेट लिया। वहीं रेणुका सिंह ने चनिदा सुथिरुआंग को एक रन पर आउट करके भारतीय टीम को चौथा विकेट दिलाया। स्नेह राणा ने पांचवां जबकि शेफाली वर्मा ने छठा विकेट लिया। सातवों विकेट नरोमोल का रोजेश्वरी ने लिया। तब टीम का स्कारे 71 रन था।

संक्षिप्त समाचार

ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप चीन के विश्व नंबर 2 डिंग को हराकर भारत के निहाल क्वाटर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली (निकलेश जैन) भारत के 18 वर्षीय युवा ग्रांड मास्टर निहाल सरीन नें चेस कॉम की ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप के क्वाटर फाइनल में जगह बना ली है । निहाल नें अंतिम 8 के लिए हुए मुक़ाबले में प्रतियोगिता के टॉप सीड और विश्व नंबर 2 चीन के डिंग लीरेन को मात देते हुए अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया इससे पहले निहाल नें अजरबैजान के रौफ मामेदोव को मात देकर अंतिम 32 और रूस के पूर्व विश्व चैम्पियन व्लादिमीर क्रामनिक को मात देकर अंतिम 16 में जगह बनाई थी । इस मुक़ाबले में वैसे तो चार रैपिड मुकाबलो को खेलकर मैच के विजेता का फैसला किया जाता है पर निहाल नें सिर्फ 3 मुकाबलों में भी दिग्गज डिंग को मात देकर सभी को चौंका दिया । पहले रैपिड में काले मोहरो से अपने वजीर का बलिदान करके 35 चालों में निहाल जीते तो दूसरे मुक़ाबले में सफ़ेद मोहरो से उन्होने डिंग के राजा पर जोरदार आक्रमण से 47 चालों में बाजी अपने नाम कर 2-0 की बढ़त हासिल कर ली । ऐसे में जब डिंग को वापसी करने के लिए दोनों मुक़ाबले जीतने थे तो निहाल को जीत के लिए आधा अंक चाहिए था तीसरा मैच बराबरी पर खत्म हुआ और निहाल 2.5-0.5 से मैच जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर गए जबकि डिंग के लिए इस टूर्नामेंट का सफर खत्म हो गया । 8 करोड़ रुपेय की पुरुष्कार राशि वाली चेस डॉट कॉम की ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप के अगले दौर में निहाल के सामने अब यूएसए के लेवान अरोनियन की चुनौती होगी ।

विश्वकप में नये अंदाज में नजर आयेंगे विराट

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली टी20 विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास में लगे हुए हैं। इसके लिए विराट ने जिम में अपने अभ्यास का समय भी बढ़ा दिया है जिससे कि उनकी फिटनेस बनी रहे। यहां तक की उन्होंने अपना हेयर स्टाइल भी बदल दिया है। उनका ये अदला हुआ अंदाज प्रशंसकों को भी पसंद आया है। विराट ने अपने अभ्यास का एक वीडियो भी इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इसपर उनके प्रशंसकों ने उन्हें विश्वकप के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं। कोहली ने जिम का जो वीडियो साझा किया है, उसके साथ लिखा, 'चलते रहना ही सफलता की चाबी है।' कोहली ने इस वीडियो का श्रेय सूर्यकुमार यादव को दिया है। इस पर प्रशंसकों ने विराट को फिटनेस किंग कहा। वहीं कुछ यूजर्स ने कहा कि उनकी फिटनेस काफी अच्छी है। साथ ही कहा कि वह क्रिकेट का असली किंग है। विराट ने अपना लुक बदलने के लिए ऑस्ट्रेलिया के मशहूर हेयरस्टायलिस्ट जॉर्डन से अपने बालों को सेट कराया है। कोहली के अलावा टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने भी अपने हेयर स्टाइल को बदला है। गौरतलब है कि विराट कोहली टी20 विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक विश्व कप में कुल 21 टी20 मैच खेलते हुए 19 पारियों में 76.81 की औसत से 845 रन बनाए हैं।

महिला आईपीएल को लेकर बड़ा अपडेट, पांच टीमों के साथ आयोजित हो सकता है पहला सत्र

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पांच टीमों के साथ महिला आईपीएल के पहले सत्र के आयोजन की योजना बना रहा है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने गुरुवार को बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से कहा कि मार्च 2023 में होने वाली वुमेन्स इंडियन प्रीमियर लीग (महिला आईपीएल) में 22 मैच खेले जाएंगे। एक फेंचाइज़ी में अधिकतम 18 खिलाड़ियों में से छह विदेशी खिलाड़ी होंगे जबकि एकादश में अधिकतम पांच विदेशी खिलाड़ी खेल सकेंगे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्ड आईपीएल टीमों को बेचने के दो विकल्पों के बीच भी बहस कर रहा है। पहले विकल्प के तहत टीमों को उत्तर (धर्मशाला/जम्मू), दक्षिण (कोच्चि/वाइजैग), मध्य (इंदौर / नागपुर / रायपुर), पूर्व (रांची / कटक), उत्तर पूर्व (गुवाहाटी) और पश्चिम (पुणे/राजकोट) क्षेत्रों में बांटा जा सकता है। दूसरे प्रारूप में टीमों को पुरुष आईपीएल की तरह शहर-वार तरीके से बांटा जा सकता है। लीग चरण में टीमें एक-दूसरे के साथ दो मुकाबले खेलेंगी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों का फैसला एलिमिनेटर मैच से किया जाएगा। आईपीएल संचालन परिषद के चेयरमैन और बीसीसीआई पदाधिकारियों को टूर्नामेंट के कार्यक्रम पर अंतिम निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है। बीसीसीआई अगले सप्ताह होने वाली वार्षिक बैठक में महिला आईपीएल योजना पेश करेगा। इसी बैठक के दौरान आईपीएल संचालन परिषद के नये चेयरमैन का भी चयन किया जाएगा।

डिस्कस थ्रोअर कमलप्रीत पर लगा तीन साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली । विश्व एथलेटिक्स की डोपिंग रोधी संस्था एथलेटिक्स इंटिग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने डोपिंग का दोषी पाये जाने के कारण भारतीय डिस्कस थ्रोअर कमलप्रीत कौर पर तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। एआईयू के अनुसार कमलप्रीत प्रतिंबंधित पदार्थ स्टेरॉयाड की जांच में दोषी पायी गयी हैं। एआईयू ने कहा कि प्रतिबंध की अवधि में कमलप्रीत ने जो भी खिताब जीते हैं वह मान्य नहीं रहेंगे। कमलप्रीत के ख़िलाफ़ प्रतिबंध की अवधि 29 मार्च 2022 से शुरू मानी जाएगी। टोक्यो ओलंपिक में उसे छठा स्थान मिला था। इससे पहले जांच एजेंसी ने इस खिलाड़ी को जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। वहीं अब वह डोपिंग की दोषी पाई गई हैं, जिसके बाद उन पर तीन साल की पाबंदी लगायी गयी है। गौरतलब है कि एआईयू विश्व एथलेटिक्स द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र निकाय है। उसने इससे पहले कमलप्रीत को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने के लिए कहा था। कमलप्रीत ने पिछले साल पटियाला में 66.59 मीटर चक्का फेंककर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इससे पहले साल 2018 में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 61.04 मीटर का रहा था। पटियाला में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ पहले स्थान पर रहीं कमलप्रीत ने टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था।

वीजा नहीं मिलने की वजह से ऑस्ट्रेलिया नहीं जा सके उमरान और सेन

मुंबई । युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक और कुलदीप सेन वीजा नहीं मिल पाने के कारण टी20 विश्वकप क्रिकेट में भाग लेने ऑस्ट्रेलिया नहीं जा पाये हैं। उमरान और कुलदीप को विश्वकप के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नेट गेंदबाज के तौर पर रखा था पर वीजा नहीं मिल पाने के कारण अब इन्हें नहीं भेजा जाएगा। उमरान अभी घरेलू टी20 टूर्नामेंट मुश्ताक अली ट्रॉफी खेल रहे हैं। वहीं चेतन सकारिया और मुकेश चौधरी के साथ ही सेन व उमरान को नेट गेंदबाज के तौर पर शामिल किया गया है। सकारिया और चौधरी के पास पहले से ही ऑस्ट्रेलिया का वीजा है। वहीं बीसीसीआई ने सेन ओर उमरान के लिए वीजा आवेदन बाद में किया था। वीजा नहीं मिलने का कारण यह बताया गया है कि उमरान और कुलदीप सेन आधिकारिक तौर पर 15 सदस्यीय भारतीय टीम में हिस्सा नहीं थे और यहां तक कि वे स्टैंडबाय में भी शामिल नहीं थे जबकि आईसीसी द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार, टीम में चुने गए खिलाड़ी और आरक्षित सूची में शामिल खिलाड़ी ही जल्द वीजा प्राप्त करने के पात्र हैं हालांकि नेट गेंदबाजों के मामलों में यह नियम लागू नहीं होता।

अगले साल विश्व कप में पदक जीत सकती है भारतीय टीम : भास्करन

नई दिल्ली।

भारत के पूर्व कप्तान और कोच वासुदेवन भास्कन का मानना है कि भारत को राष्ट्रमंडल खेल फाइनल के खराब प्रदर्शन को भुलाकर तोक्यो ओलंपिक में अपने अभियान से प्रेरणा लेनी चाहिए। मॉस्को ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के कप्तान रह भास्करन ने कहा ,''मेरा मानना है कि भारतीय टीम इस विश्व कप में पदक जीत सकती है। उन्हें आस्ट्रेलिया के हाथों राष्ट्रमंडल खेल फाइनल में मिली हार को भुलाकर तोक्यो ओलंपिक में अपने प्रदर्शन से प्रेरणा लेनी चाहिये।'' भास्करण ने कहा ,'' भारत के पास ग्राहम रीड के रूप में अच्छा कोच और सहयोगी स्टाफ है। मुझे लगता है कि वे ओडिशा में विश्व कप में पदक जीत सकते हैं।'' भास्करन ने कहा कि भारत को विश्व कप में स्पेन के खिलाफ सकारात्मक शुरूआत करनी चाहिए। विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में खेला जायेगा । भास्करन ने आगे बात करते हुए कहा ,'' अगर स्पेन के खिलाफ पहला मैच जीत लेते हैं तो पदक के मुकाबले में पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता ।'' आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन भारतीय टीम ने विश्व कप में 1973 में कांस्य और 1975 में स्वर्ण पदक जीता है। भास्करन 1973 विश्व कप टीम का भी हिस्सा थे जिन्होंने उस टूर्नामेंट में पाकिस्तान पर मिली जीत को सबसे यादगार जीत बताया। उन्होंने कहा ,'' जज्बात ऊफान पर थे। भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 में हुए युद्ध की यादें ताजा थी। हरचरण सिंह और हरमिक सिंह पठानकोट से थे और उन्होंने जंग बहुत करीब से देखी थे । इसलिये वे जीत को बेताब थे।''

नवी मुम्बई में फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप फुटबॉल में मैक्सिको के खिलाफ मैच में खेलती हुई चीन की हुआंग जियाक्सिन।

गुजरात ने दो दशकों में सफलतापूर्वक विकसित किया मजबूत स्वास्थ्य ढांचा

गांधीनगर । तंदुरुस्त और स्वस्थ समाज एक विकसित राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। किसी भी देश या राज्य के विकास में उसके नागरिकों का स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य के सभी नागरिकों को श्रेष्ठ स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराने के लिए गुजरात में एक मजबूत स्वास्थ्य ढांचा विकसित किया गया है। गुजरात में सभी नागरिकों को स्थानीय स्तर पर ही प्राथमिक एवं उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए राज्य में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं का एक विशाल नेटवर्क खड़ा किया गया है। विशेष रूप से राज्य के ग्रामीण इलाकों और शहरी क्षेत्रों की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य कल्याण पर विशेष जोर दिया गया है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 6.5 करोड़ से अधिक गुजरातियों के स्वास्थ्य में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाने हेतु कार्य कर 'स्वस्थ गुजरात, समृद्ध गुजरात' के मंत्र को आत्मसात किया है। उनके बताए गए मार्ग आगे बढ़कर आज मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की सरकार गुजरात के स्वास्थ्य क्षेत्र को और भी सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक नए निर्णय, योजनाएं और पहल शुरू कर रही है।

गुजरात में आज यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर, इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर, गुजरात कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट और एम एंड जे इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी जैसे प्रसिद्ध हॉस्पिटलों का निर्माण किया गया है, जिससे राज्य सहित देश के अन्य राज्यों के नागरिकों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो रही हैं। अब, गुजरात के राजकोट में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे अत्याधुनिक हॉस्पिटल का निर्माण हो रहा है, जहां नागरिकों को 750 बेड के साथ अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। अत्याधुनिक हॉस्पिटलों के अलावा गुजरात में सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों को उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और कम्यूनिटी स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भी स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना के अंतर्गत गुजरात में 300 से अधिक जन औषधि केंद्र कार्यरत हैं। इन केंद्रों पर 1600 से अधिक जीवन रक्षक दवाइयां और लगभग 250 सर्जिकल उपकरण मामूली कीमतों पर उपलब्ध हैं। पारंपरिक दवाइयों के क्षेत्र में भी गुजरात एक कदम आगे बढ़ा है। गुजरात के जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का दुनिया का पहला ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर शुरू होने जा रहा है। गुजरात आज राज्य में मेडिकल टूरिज्म विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

कोरोना महामारी से लोगों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए के लिए स्वदेशी टीके की खोज की गई। इस स्वदेशी टीके को चरणबद्ध तरीके से देश के सभी नागरिकों के लिए नि:शुल्क उपलब्ध कराया गया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश में शुरू किए गए नि:शुल्क सामूहिक टीकाकरण अभियान में गुजरात ने मील का पत्थर हासिल किया है।

सुदेश जगदीप जी धनखड़ ने किया लक्ष्मीपति मिल का दौरा

सूरत, भारत के उपरास्ट्रपति जगदीप जी धनखड़ बुधवार को सूरत पहुँचे । उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुदेश जगदीप जी धनखड़ भी सूरत पधारी । सुदेश जगदीप जी धनखड़ ने सूरत पहुँचने के कुछ समय बाद पांडेसरा स्थित लक्ष्मीपति मिल का दौरा किया । लक्ष्मीपति ग्रुप के डायरेक्टर संजय सरवागी में उनका स्वागत सम्मान किया । श्रीमती सुदेश धनखड़ जी इस दौरान साड़ी बनने की प्रक्रिया को बारीकी से समझा । उन्होंने अपने लिए भी साड़ियाँ ली । इस दौरान उन्होंने मिल के कारीगरों विशेषकर महिला कारोगरों के हाल-चाल जाने । कारीगरों के लिए मिल द्वारा दी गई सुविधाओं की प्रशंसा की । इस मौक़े पर लक्ष्मीपति परिवार द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया ।

कोटक महिंद्रा बैंक का बड़ा उत्सव धमाका: ख़ुशी का सीज़न की एक और श्रृंखला

कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड ("KMBL"/"कोटक") ने त्योहारों के आगमन के साथ ही आज अपनी विशेष पेशकश, यानी ख़ुशी का सीज़न (च्यस) की पांचवीं किश्त के तहत ढेर सारे ऑफ़र के शुभारंभ की घोषणा की। KMBL अपने ग्राहकों को खान-पान, यात्रा, ऑनलाइन फैशन, किराना सामान, खुदरा स्टोर, आभूषण, मॉल, ऑनलाइन डिलीवरी, स्वास्थ्य सेवा और घरेलू सेवाओं जैसी विभिन्न श्रेणियों के कई ब्रांडों पर 10,000 से अधिक ऑफ़र दे रहा है।

ग्राहक KMBL डेबिट एवं क्रेडिट कार्ड पर उपलब्ध EMI विकल्पों की मदद से सैमसंग, ओप्पो, शाओमी, आईएफबी जैसे विभिन्न ब्रांडों के तरह-तरह के इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों और स्मार्टफोन जैसे कई अलग-अलग उत्पादों की खरीदारी कर सकते हैं। इसके साथ-साथ, Amazon.in, फ्लिपकार्ट, रिलायंस डिजिटल, मायजियोस्टोर, क्रोमा, मिंत्रा, आजियो, प्यूमा, ज़ोमैटो, ईज़ीडायनर, डीमार्ट, Jiomart.com, बिगबास्केट, मेकमाईट्रिप, ईज़माईट्रिप, क्लियरट्रिप, यात्रा, अर्बनकंपनी, टाटा 1द्वद्द, और इसी तरह के कई अन्य प्लेटफॉर्म पर सेल के दौरान ग्राहकों को भारी छूट तथा कैशबैक का फायदा भी दिया जा रहा है। KMBL की च्एवरीडे स्पेशलज्‍ श्रेणी के तहत हफ्ते के सातों दिनों में 10 से अधिक ब्रांडों पर ऑफ़र उपलब्ध हैं। सभी ऑफ़र केवल KMBL डेबिट और क्रेडिट कार्डधारकों के लिए उपलब्ध हैं।*

इस मौके पर विराट दीवानजी, ग्रुप प्रेसिडेंट एंड हेड - कंज़्यूमर बैंक और मेंबर, ग्रुप मैनेजमेंट काउंसिल, कोटक महिंद्रा बैंक, ने कहा, "कोटक महिंद्रा बैंक, ने कहा, "कोटक महिंद्रा बैंक का "ख़ुशी का सीज़न" वापस आ गया है और यह वापसी वाकई शानदार है! इस साल पहले से ज़्यादा बड़े और बेहतर ऑफ़र दिए जा रहे हैं, और सचमुच यहाँ सभी के लिए च्लगभग सभी चीजों परज्‍ ऑफ़र उपलब्ध हैं- किराना सामानों से लेकर, फूड डिलीवरी, कपड़े, स्मार्टफोन, यात्रा, खान-पान सेवाओं जैसी विभिन्न श्रेणियों में - खरीदारी इससे बेहतर कभी नहीं थी। त्योहारों के इस मौसम में हमारे ग्राहक खरीदारी और खर्च करके ढेर सारे छूट, कैशबैक और EMI सुविधाओं का भरपूर लाभ उठा सकते हैं। ये ऑफ़र दरअसल अपने ग्राहकों को अधिकतम फायदा उपलब्ध कराने और उन्हें बैंकिंग का सुखद अनुभव प्रदान करने के हमारे निरंतर प्रयास का हिस्सा हैं। इसके साथ, हम अपने ग्राहकों को त्योहारों के इस मौसम में खुशहाली की शुभकामनाएँ देते हैं!"

गुजरात गौरव यात्रा का प्रारंभ कराते हुए अमित शाह ने कहा- कांग्रेस को दोबारा मौका ना देना

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अहमदाबाद जिले के झांझरका से भाजपा की गुजरात गौरव यात्रा का प्रारंभ कराते हुए लोगों से कहा कि कांग्रेस को दोबारा मौका ना मिले इसका ध्यान रखना। विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि इस गौरव यात्रा का श्रेय गुजरात की जनता को जाता है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 20 साल जनता ने भरोसा किया, उसे भाजपा ने उसे पूर्ण कर गुजरात को समग्र देश में नंबर वन पर पहुंचा दिया। उसका गौरव और गुजरात की जनता के प्रति धन्यवाद की यह यात्रा है। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि उसकी सरकार ने गुजरात को केवल दंगे-फसाद दिए थे। इसलिए कांग्रेस को फिर से मौका ना मिले इसका गुजरात के लोगों को ध्यान रखना होगा। गुजरात की जनता ने भाजपा पर दो दशक से भी अधिक समय तक विश्वास किया है और उसमें राज्य में कर्फ्यू का नाम नहीं सुना गया। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी गुजरात की जनता भाजपा पर भरोसा करे। अमित शाह ने गुजरात में फिर एक बार भाजपा सरकार बनने का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि कहा कि गौरव यात्रा के जरिए भाजपा ने अपने कामकाज का हिसाब देगी।

बता दें कि गुजरात चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा ने गौरव यात्रा शुरू की है। बीते दिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मेहसाणा के बहुचराजी से पहली गौरव यात्रा का प्रारंभ कराया था। दूसरी यात्रा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के नेतृत्व में द्वारका से प्रारंभ हुई थी। गुरुवार को अमित शाह ने अहमदाबाद के झांझरका गौरव यात्रा को प्रारंभ कराया। यह यात्रा झंझरका से सोमनाथ तक जाएगी। यात्रा के प्रारंभ होने के अवसर पर प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील, राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत पार्टी नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस यात्रा में केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, अर्जुन राम मेघवाल, गजेन्द्रसिंह शेखावत, गिरीराजसिंह, पुरुषोत्तम रूपाला, नरेन्द्रसिंह तोमर भी शामिल होंगे। इसके बाद अमित शाह नवसारी जिले से दो गौरव यात्राओं का प्रारंभ कराएंगे। जो ऊनाई से फागवेल और ऊनाई से अंबाजी तक भ्रमण करेगी।

Amazon.in ग्रेट इंडियन फेस्टिवल2022 – डील्स रिवील

Amazon.in का सबसे बड़ा फेस्टिव सेलीब्रेशन 'अमेज़ॅन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल2022 'लाखों सेलर्स, छोटे और मध्यम बिजनेस(एसएमबी), और लोकप्रिय ब्रांडों के प्रोडक्ट पर शानदार डील्स ऑफ़र करता है। कस्टमर्स स्मार्टफोन, एप्लाऔयंसेस, कंज्यूमर्स इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन एंड ब्यूटी, ग्रॉसरी, अमेज़ॅन डिवाइस, होम एंड किचन और अन्य कैटेगारी में टॉप ब्रांड के प्रोडक्टओं के विशाल सलेक्श2न पर शानदार डील्स प्राप्‍कर सकते हैं। कस्ट)मर्सको सभी कैटेगरी में टॉप इंडियन और ग्लोंबलब्रांडों और लाखों छोटे बिजनेस के शानदार ऑफ़रके साथ अमेज़ॅनलॉन्चपैड, अमेज़ॅन सहेली, अमेज़ॅन कारीगर जैसे प्रोग्राम के अंतर्गत अमेज़ॅन सेलर्स के प्रोडक्टो खरीदने का मौका मिलेगा।

ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के दौरान खरीदारी करने वाले कस्ट मर्सएसबीआई बैंक जैसे प्रमुख पार्टनर बैंकों के आकर्षक ऑफर प्राप्त कर सकते हैं; एसबीआईक्रेडिट और डेबिट कार्ड और ईएमआई लेनदेन पर 10त्न इंस्टेंटडिस्कासउंट, डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर नो-कॉस्टईएमआई, अन्य प्रमुख क्रेडिट/डेबिट कार्ड से आकर्षकऑफर, और भी बहुत कुछ।

द ग्रेट इंडियन फेस्टिवल (GIF) 11 लाख से अधिक सेलर्सके साथ सेलीब्रेट करता है, Amazon.in पर कस्ट-मर्सको करोड़ों प्रोडक्टकपेश करता है, जिसमें भारतीय एसएमबीऔर लोकल स्टोर्स के यूनीक प्रोडक्ट शामिल हैं।

अमित शाह ने कश्मीर समस्या के लिए नेहरू को जिम्मेदार बताया

नवसारी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कश्मीर समस्या के लिए देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इसका समाधान का श्रेय मोदी सरकार को जाता है। गुरुवार को अहमदाबाद जिले के झांझरका में गुजरात गौरव यात्रा का प्रस्थान कराने के बाद अमित शाह नवसारी पहुंचे। नवसारी में गौरव यात्रा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने धारा 370 को लागू किया, जिससे कश्मीर में अशांति फैली। देश के प्रत्येक व्यक्ति की इच्छा थी कि कश्मीर से धारा 370 रद्द हो और इसका श्रेय मौजूदा मोदी सरकार को जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेएक झटके में धारा 370 रद्द कर कश्मीर को पूरी तरह से भारत के साथ जोड़ दिया। बता दें कि हाल ही में प्रधानमंत्री ने गुजरात दौरे के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए कश्मीर की समस्या के लिए जवाहरलाल नेहरू को जिम्मेदार बताया था। अमित शाह ने गुरुवार को दक्षिण गुजरात के उमरगाम से उत्तरी गुजरात के अंबाजी तक पट्टी के आदिवासी वोटरों को रिझाने के लिए भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी यात्रा का प्रारंभ कराया। इस मौके पर अमित शाह ने वनबंधु कल्याण योजना जरिए आदिवासी क्षेत्रों की सूरत बदलने का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के 9 करोड़ आदिवासियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न योजनाएं शुरू कर उनके विकास के लिए लगातार प्रयासरत हैं और रु. 1 लाख करोड़ आवंटित किए हैं।

4 नवंबर को रिलीज होने जा रही फिल्म 'चबूतरो' का ट्रेलर लॉन्च

गुजरात। आगामी गुजराती फिल्म "चबूतरो" अपने टीज़र रिलीज़ के बाद से ही चर्चा का विषय बन गई है। फिल्म की अनोखी लेकिन आम पारिवारिक कहानियों ने दर्शकों को अपने साथ जोड़ा है। इतनी खूबसूरत कहानी वाली फिल्म "चबूतरो" 4 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। जिसका ट्रेलर 11 अक्टूबर को अहमदाबाद में रिलीज किया गया था।

चाणक्य पटेल द्वारा लिखित और निर्देशित और व्हाइट एलीफेंट द्वारा निर्मित, चबूतरो एक ऐसी फिल्म है जिसमें नायक अपनी पहचान और इच्छाओं की तलाश में जाता है। फिल्म की कहानी उसके इर्द-गिर्द घूमती है जो विदेश में एक उज्ज्वल करियर बनाने या अपने पारिवारिक व्यवसाय में शामिल होने के लिए है। फिल्म के 2.26 मिनट के ट्रेलर को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म में रौनक कामदार और अंजलि बारोट, धर्मेश व्यास, छाया वोरा, भूमिका बारोट, धर्मेश व्यास, शिवम पारेख, अन्नपूर्णा शुक्ला और आकाश पांड्या हैं। फिल्म के गाने नीरेन भट्ट ने लिखे हैं, जब कि संगीत सिद्धार्थ अमित भावसार ने दिया है।

नेहा राजोरा और शुभम राजोरा द्वारा निर्मित, फिल्म "चबूतरो" का नायक अपनी पहचान और इच्छाओं की तलाश में जाता है, क्या वह अपने शहर में अपनी पहचान बना पाएंगे.. इसका जवाब 4 नवंबर, 2022 के दिन फिल्म थियेटर रिलीज के साथ दिया जाएगा।

भारत में फ्लेक्सी-फ्यूल स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर टोयोटा की अपनी तरह की पहली पायलट परियोजना की शुरुआत

बैंगलोर । टोयोटा में, हम लोग 'ग्रह के लिए सम्मान' के अपने सिद्धांत के अनुरूप पर्यावरण की रक्षा और स्थिरता के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। इस दिशा में, 2015 में, टोयोटा ने अपनी वैश्विक पर्यावरणीय चुनौती 2050 की घोषणा की थी। इसके तहत निरंतर बने रहने वाले 'भविष्य-प्रूफ' स्थायी समाज की स्थापना में योगदान किया जाना है। इस महत्वाकांक्षा के तहत, टोयोटा ने अपने लिए छह चुनौतियाँ निर्धारित की हैं। इनमें से पहले तीन में हमारे उत्पादों के पूरे जीवनचक्र में 2050 तक कार्बन तटस्थता हासिल करने के लक्ष्य शामिल है। इस प्रकार, हमारा लक्ष्य न केवल हमारे द्वारा बेचे जाने वाले वाहनों के प्रभाव को संबोधित करना है, बल्कि विनिर्माण गतिविधियों सहित हमारी संपूर्ण मूल्य-श्रृंखला को भी कवर करना है। इस अर्थ में, हम टेलपाइप उत्सर्जन से आगे जाने की इच्छा रखते हैं और अपने स्थायी हस्तक्षेपों में अधिक समग्र तथा समाज केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हैं।

विद्युतीकरण और वैकल्पिक ईंधन में कई हरित ऊर्जा मार्ग हैं जो परिवहन क्षेत्र को अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने के साथ-साथ जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकते हैं। टोयोटा ने सभी स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का विकास किया है और प्रत्येक देश की अनूठी आवश्यकताओं तथा संदर्भ के आधार पर इन्हें पेश करने में विश्वास करता है, ताकि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम किया जा सके और सबसे तेजी से संभव समय में कार्बन की कमी को प्राप्त किया जा सके। इस दिशा में, भारत में भिन्न किस्म की ऊर्जा, इसकी अनूठी उपभोक्ता प्रोफ़ाइल और जरूरतें, तैयार संरचना और 2047 तक ऊर्जा के मामले में च्आत्मनिर्भरज्‍ बनने की दिशा में सरकार के विविध प्रयासों को देखते हुए, हम अधिक दक्षता के साथ समाधान आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे कई स्वच्छ प्रौद्योगिकी रास्ते की शुरुआत और समर्थन हो रहा है।

सबसे उपयुक्त समाधानों में से एक के रूप में, इथेनॉल की भारत में जबरदस्त संभावना है क्योंकि यह एक स्वदेशी और स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है, जो जीवाश्म ईंधन की खपत, ऊर्जा आयात बिल और कार्बन उत्सर्जन को काफी कम कर सकता है। कृषि आधारित होने के कारण, ईंधन के रूप में इथेनॉल के अधिक उपयोग से किसानों की आय में भी वृद्धि होगी और नए रोजगार के मौके बनेंगे। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और अतिरिक्त चीनी तथा खाद्यान्न से सरकार के लिए राजस्व में वृद्धि होगी। सरकार ने हाल ही में पराली जैसे कृषि अवशेषों से इथेनॉल के उत्पादन के लिए दूसरी पीढ़ी की तकनीक शुरू की है, जो वर्तमान में अन्यथा जला दिया जाता है। यह संभावना न केवल गंभीर वायु प्रदूषण को रोकेगी बल्कि कचरे से धन उत्पन्न करने में भी मदद करेगी।

बजाज आलियांज ने सभी ईवीकस्टमर्स को समग्र समाधान उपलब्ध करवाने के लिए लॉन्च किया '#ईवीफॉरऑल"

पुणे। भारत के प्रमुख प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कर्ताओं में से एक बजाजआलियांज जनरल इंश्योरेंस ने अपनी वेबसाइट पर ' सईवी फॉरऑल" लॉन्च किया है। यह अनूठा प्लेटफॉर्मइंश्योरेंस से आगे इलेक्ट्रिकव्हीकल सर्विस का एक समूह उपलब्ध करता है। यह प्लेटफॉर्म भारत के मौजूदा और आगामी इलेक्ट्रिक व्हीकल यूजर्स (वाहन उपयोगकर्ताओं) की जरूरतों को पूरा करता है। भारत सरकार द्वारा देश में आईसी इंजन के पर्यावरण हितैषी और स्वच्छ विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए की जाने वाली पहल की दिशा में यह कदम उठाया गया है।

इलेक्ट्रिक वाहन अब बढ़त हासिल कर रहे हैं और भारतीय उपभोक्ताओं के बीच इन्हें स्वीकारा जा रहा है। सरकार द्वारा पर्यावरण के अनुकूल समाधानों को अपनाने के लिए की गई पहल को देखते हुए कन्ज्यूमर्स की बढ़ती हुई संख्या इलेक्ट्रिक वाहनों पर स्विच कर रही है। इसके अलावा, इलेक्ट्रिकवाहन को चलाने के साथ इसके उपयोग की सुगमता भी अभूतपूर्व है, जो इसकी लोकप्रियता की वृद्धि में योगदान दे रही है। आने वाले वर्षों में ईवीइंडस्ट्री छलांग लगाते हुए आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं और हम देश में एक मजबूत ईवीइंडस्ट्री देखेंगे। बजाजआलियांज जनरल इंश्योरेंस ने अपने ग्राहकों के लिए लगातार सबसे बेहतर श्रेणी के इंश्योरेंससॉल्यूशन पेश किए हैं। उनके मोटर इंश्योरेंससॉल्यूशन निश्चित तौर पर इनमें से एक हैं। ईवीइंडस्ट्री की जरूरत के मुताबिक बजाजआलियांज जनरल इंश्योरेंस अब इलेक्ट्रिक प्राइवेट व्हीकल (दो और चार पहिया वाहनों) और कमर्शियलव्हीकल के लिए इंश्योरेंसपॉलिसी (बीमा योजना) पेश कर रहा है। ये पॉलिसीडेप्रिसिएशनशील्ड एंड मोटर प्रोटेक्टर जैसे विभिन्न पैकेजों साथ आएंगी। ग्राहक को निश्चिंतता का अनुभव करवाने के लिए इस प्रोडक्ट में 11 रोडसाइड सहायता सुविधाएँ भी उपलब्ध करवाई गई हैं।

'#ईवीफॉरऑल" की अनूठी विशेषताएं: '#ईवीफॉरऑल" के पास डेडिकेटेडईवीहेल्पलाइन, एसओएस, ऑन-साइटचार्जिंग, पिकअप एंड ड्रॉप (इमीडिएटमोबिलिटी) जैसी 11 विशेष सेवाएं हैं। इनमें आवास लाभ, रोड साइडरिपेयर, माइनररिपेयर, अर्जेंट मैसेजरिप्लाई, कानूनी मदद, मेडिकलअसिस्टेंस और टैक्सीबेनिफिट्स भी शामिल हैं।

सभी कस्टमर्स को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के लिए कंपनी ने पोर्टेबल मोबाइल चार्जर के माध्यम से ऑनसाइटचार्जिंग की अपनी तरह की पहली सेवा प्रदान करने के लिए दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बैंगलोर और पुणे जैसे शहरों में आलियांजपार्टनर्स के साथ करार किया है। यदि कोई कस्टमर कम चार्ज पर चलता है तो वह सहायता के लिए संपर्क कर सकता है और कंपनी तत्काल चार्जिंगसपोर्ट के लिए एक पोर्टेबल मोबाइल चार्जर भेजेगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)